डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 22 मूल्यः 5 रुपए पृष्ठ : 8 R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

शिखर दृष्टि जीवन की...

साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या

RAJHIN16831/20/01/2013-TC

जयपुर >> रविवार, 28 नवम्बर, 2021

hillviewsamachar@gmail.com

राजस्थान की स्त्री के अस्तित्व पर शराब का ग्रहण कब तक?

इस प्रश्न पर निरुत्तर हुए नवनियुक्त स्वास्थ्य एवं आबकारी मंत्री परसादी लाल मीणा

जयपुर। इन दिनों राज्य की राजनैतिक गलियारों की आबो-हवा बदली है। ज़िम्मेदारियों का बंटवारा एक नए जोश को जन्म दे रहा है। नई रीति,नीति और ताज़गी के साथ हर नवनियुक्त मंत्री महोदय अपनी आगामी रणनीति पर बात कर रहे हैं। ऐसे में परसादीलाल मीणा गाँधीवादी विचारधारा के साथ जीने वाले सौम्य और सरल व्यक्ति हैं। क्या यह प्रभार उनके अस्तित्व की नई परिभाषा गढ़ेगा? राजनीति उथल-पुथल के पश्चात नए मंत्रिमंडल के पदभार ग्रहण करने पर मीडिया से नए नवेले मंत्रियों का साक्षात्कार एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस का दौर चरम पर है। **इसी दौर के दौरान स्वास्थ्य एवं आबकारी विभाग मंत्री परसादी लाल मीणा के साथ हिलव्यू समाचार संपादक शालिनी श्रीवास्तव की भेंटवार्ता के कुछ ख़ास पल....**

प्रश्नः स्वास्थ्य एवं आबकारी विभाग दोनों ही विभाग संवेदनशील विभागों में आते हैं । ऐसे में आपकी आगामी रणनीति क्या होगी?

उत्तरः मुख्यमंत्री महोदय ने ज़िम्मेदारी दी है उसे बखूबी निभाना है। चाहे स्वास्थ्य विभाग हो या आबकारी विभाग दोनों में पिछले सत्र में रही त्रुटियों को सुधार कर नई पॉलिसी से काम करना है। जिस भी विभाग के अधिकारी काम में लापरवाही करेंगे उनके ख़िलाफ़ कठोर क़दम उठाएं जाएंगे और तुरन्त कार्यवाही की जाएगी। जनता के हित में जो अच्छा है,वही करने का प्रयास रहेगा।

प्रश्नः क्या राज्य में शराब बंदी पर कोई रणनीति की संभावना है आपके कार्यकाल में? शराब के लिए नीलामी पॉलिसी क्या हितकर है?

उत्तरः शराबबंदी? (चौंकते हुए प्रतिउत्तर)

बिहार और गुजरात के हालात आपसे छुपे हैं क्या? पीने वाले दब-छुप कर पी रहे हैं। शराब बेचने की पाबंदी है तो वहाँ शराब ब्लैक से बिक रही है। नकली शराब के सेवन से मौतें हो रहीं हैं। जहरीली शराब से अच्छा है न सरकारी पॉलिसी से शुद्ध शराब उपलब्ध करवाई जा सके। इसके लिए सरकारी सिस्टम से योजना लागू की जाएगी। राज्य सरकार के लिए आबकारी विभाग रेवेन्यू के नज़रिए से बहुत महत्वपूर्ण है। सरकार को हर साल शराब बेचने, दुकानों के आवंटन करने और लाइसेंस जारी करने से 11 से 12 हज़ार करोड़ रुपए तक का रेवेन्यू मिलता है इस साल सरकार ने शराब से 12500 करोड़ का रेवेन्यू पाने का लक्ष्य रखा है। नीलामी पॉलिसी बहुत बेहतर पॉलिसी है। जिसे शराब की दुकान चलानी है वही सरकार से बोली लगाकर दुकान लेगा।अन्यथा पहले लॉटरी से दुकान निकलने की प्रक्रिया में ब्लैक का कारोबार ज्यादा होता था । जिस व्यक्ति की दुकान निकलती थी वह 15 से 20 लाख रुपए में आगे वह दुकान ब्लैक में बेच देता था। नीलामी से सरकार को फ़ायदा होगा और ज़रूरत वाले को ही दुकान अलॉट होगी। इसके अलावा अवैध शराब के निर्माण और उसकी बिक्री पर शिकंजा कसा जाएगा जहरीली शराब पर भी नियंत्रण करने की रणनीति बनाई जाएगी।

प्रश्नः पारिवारिक विघटन और नैतिक पतन में शराब की बहुत बड़ी भूमिका होती है। एक तरफ महिलाओं के सशक्तिकरण की बात की जाती है दूसरी तरफ़ शराब की पॉलीसी दुरुस्त करने की बात की जाती है क्या यह विरोधाभास नहीं लगता आपको?

उत्तरः (लीक से हटकर उत्तर देते हुए) महिला सशक्तिकरण? हमने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है राजनीति में और भी कई योजनाएँ महिलाओं के विकास के लिए राज्य में चल रही हैं। (मंत्री जी शराब और स्त्री के मध्य खड़े विरोधात्मक पहलू पर गौर नहीं कर पाए)।

प्रश्न जिनके उत्तर शेष हैं?

देश का एक बड़ा तबगा एक गिलास में अपनी चेतना को उड़ेल कर चेतना शून्य हो जाता है और वहाँ से शुरु होता है। सभ्यता व संस्कृति का असली पतन। इसी से जन्म लेते हैं लिंग भेद,पीड़ित परिवार, पीड़ित स्त्रियाँ,बेपरवाही का शिकार होती सन्तानें और पारिवारिक विघटन और नैतिक पतन और बिखरता सामाजिक ढांचा।

- क्या शराब स्त्री सशक्तिकरण की राह में रोड़ा नहीं?
- क्या शराब से स्त्रीपतन महसूस नहीं होता सत्ता में बैठे सत्ताधरियों को?
- क्या शराब के नशे में चीर हरण हाथापाई,बदसलूकी तो मामूली बातें हैं?
- क्या शराब सामाजिक,सांस्कृतिक नैतिक पतन का रास्ता नहीं है?
- क्या शराब एक आदर्श परिवार की कसौटी पर खरी उतर सकती है ?

बात निकलेगी तो दूर तलक जाएगी...अतः बात का अंत ही बेसिरपैर के प्रतिउत्तरों से भरा होता है।या यूँ कहें कि आँख मूंद लेने में ही भलाई समझी जा रही है ताकि सरकारी ख़ज़ाना कम न हो और तो और शौक फरमाने का ज़रिया बन्द न हो जाये। लम्बे समय से चले आ रहे लोकडाउन के बाद होने वाले अनलॉक का भी स्वागत जहाँ शराब की दुकानें खोल कर किया गया हो वहाँ शराब बंदी की बात करना बेमानी लगता है।

संपादक शालिनी श्रीवास्तव

प्रदेश में 76 एपीआरओ की होगी भर्ती

2 से 31 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन, फरवरी में होगी परीक्षा, 33 हजार 800 मिलेगी सैलरी

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में 9 साल के लंबे इंतजार के बाद राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने सहायक जनसंपर्क अधिकारी (APRO) के पद पर भर्ती निकाली है। प्रदेशभर में 76 सहायक जनसंपर्क अधिकारी के पद पर भर्ती होगी। 18 से 40 साल तक की उम्र के अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इससे पहले राजस्थान में साल 2012 में सहायक जनसंपर्क अधिकारी (APRO) के 34 पदों पर भर्ती निकली थी।

सैलरी

राजस्थान सरकार द्वारा लागू सातवें वेतनमान के अनुसार सहायक जनसंपर्क अधिकारी को पे-मैट्रिक्स लेवल 10 (33,800) के आधार पर सैलरी दी जाएगी। हालांकि प्रोबेशन पीरियड के दौरान सरकार की गाइडलाइन के अनुसार सैलरी दी जाएगी।

दिसंबर में आवेदन, फरवरी में परीक्षा

सहायक जनसंपर्क अधिकारी भर्ती 2021 के लिए ऑनलाइन आवेदन 2 दिसंबर से 31 दिसंबर 2021 तक किए जा सकेंगे। ऑफ लाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। सहायक जन सम्पर्क अधिकारी भर्ती 2021 की लिखित परीक्षा 13 फरवरी 2022 को होना प्रस्तावित है।

कौन कर सकता है आवेदन

सहायक जनसंपर्क अधिकारी पद के लिए पत्रकारिता के क्षेत्र में 3 साल के अनुभव वाला अभ्यर्थी आवेदन कर सकता है। इसके लिए अभ्यर्थी के पास देश के किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ही ग्रेजुएशन की डिग्री होना अनिवार्य है।

पत्रकारिता में डिग्री, डिप्लोमा सहित ग्रेजुएशन करने वाले अभ्यर्थी भी सहायक जनसंपर्क अधिकारी पद पर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थी को देवनागरी लिपि में हिंदी की जानकारी के साथ ही राजस्थान की संस्कृति की जानकारी भी होनी चाहिए।

आवेदन करने वाला अभ्यर्थी 18 से 40 वर्ष की उम्र तक का हो सकता है।

परीक्षा शुल्क

- सामान्य वर्ग और क्रीमीलेयर श्रेणी के अन्य पिछड़ा वर्ग / अति पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी लिए 450 रुपए।
- राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर श्रेणी के पिछड़ा वर्ग / अति पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थी के लिए 350 रुपए।
- समस्त विशेष योग्यजन और राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी के लिए 250 रुपए।

ऑनलाइन होंगे आवेदन, SSO ID होना अनिवार्य

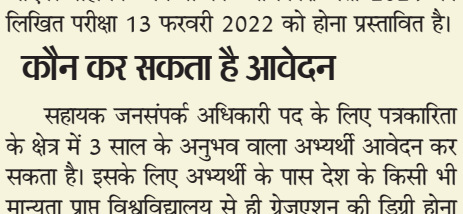

सहायक जनसंपर्क अधिकारी के पद पर 2 दिसंबर से आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों को ई-मित्र किओस्क या जन सुविधा पोर्टल का उपयोग करना होगा। अभ्यर्थियों को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की अधिकृत वेबसाइट www.rsmssb.rajasthan.gov.in खोलकर रिक्रूटमेंट पर क्लिक करना होगा। इसके बाद SSO ID के जरिये लॉग-इन करके आवेदन भरना होगा। ऐसे में अगर किसी अभ्यर्थी की SSO ID नहीं है, तो आवेदन से पहले उन्हें SSO ID बनानी होगी।

सोनिया से मिले डोटासरा, संगठन में नियुक्तियों के संकेत...

प्रदेशाध्यक्ष बनने के 15 महीने बाद पहली मुलाकात, अभी जिला-ब्लॉक के सभी पद खाली

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। प्रदेशाध्यक्ष बनने के 15 महीने बाद पहली बार गोविंद सिंह डोटासरा ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की है। मंत्री पद छोड़ने के बाद सोनिया गांधी से पहली मुलाकात में डोटासरा ने पार्टी संगठन को लेकर फीडबैक दिया है। संगठन में डेढ़ साल से खाली चल रहे पदों को भरने पर चर्चा हुई है। दिसंबर में संगठन के खाली पदों को भरा जाएगा। डोटासरा अक्टूबर में सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई बैठक में शामिल हुए थे, लेकिन वन टू वन मुलाकात पहली बार हुई है। सोनिया गांधी के बाद डोटासरा अब प्रभारी अजय माकन से चर्चा करेंगे। कांग्रेस में पिछले डेढ़ साल से खाली चल

रहे जिला और ब्लॉक अध्यक्षों के पदों पर नियुक्तियों पर अब काम आगे बढ़ने के आसार हैं। पिछले साल जुलाई में सचिन पायलट कैंप की बगावत के बाद से केवल प्रदेश कार्यकारिणी के 39 नेताओं को छोड़ कोई पदाधिकारी नहीं है। जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष से लेकर जिला-ब्लॉक की कार्यकारिणी भी बननी है।

डोटासरा बोले- संगठन में जल्द नियुक्तियां होंगी: सोनिया गांधी से मिलने के बाद गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- पीसीसी चीफ बनने के बाद कोरोना आ गया, इसलिए सोनिया गांधी से मुलाकात नहीं हो सकी थी। आज सोनिया गांधी से मुलाकात कर राजस्थान के राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की है। बढ़ती महंगाई पर मोदी सरकार के खिलाफ पार्टी के जन जागरण अभियान को आगे बढ़ाने पर चर्चा की है। संगठन में खाली पदों को भरने पर प्रदेश प्रभारी अजय माकन से चर्चा की जाएगी। उम्मीद है संगठन का विस्तार और खाली पदों पर जल्द नियुक्तियों का काम होगा।

प्रशासन शहरों के संग ! राजधानी में आम नागरिकों का अभियान से मोह भंग?

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। जयपुर शहर के दोनों निगम इस बार 'प्रशासन शहरों के संग' जैसे महाअभियान में फेल होते नजर आ रहे हैं। अब तक कुल मिलाकर दो हजार पट्टे भी जारी नहीं हुए हैं और अभियान को शुरू हुए 55 दिन से ज्यादा हो चुके हैं।आम जनता में सरकारी कार्यनीति के प्रति विश्वास को जागृत करने के लिए सरकार ने 'प्रशासन शहरों के संग' अभियान शुरू किया। जिसके तहत उद्देश्य था कि आम लोगों के सभी सरकारी कार्य एक ही छत के नीचे हो सके किंतु वर्तमान में सरकारी सिस्टम जो कि हमेशा से रेंगता ही चलता आया है वह अभी भी उसी गति से रेंग रहा है।

राजधानी के दोनों निगम धीमी गति से अब तक पट्टा वितरण के लक्ष्य को नहीं छू भी नहीं पाए हैं। इसी के साथ-साथ सरकार के ही अधिकारीगण और जनप्रतिनिधि सरकार की मंशा पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे हैं। सरकार द्वारा दी गई छूट

प्रशासन शहरों के संग के पीछे छुपा काला सच

को अधिकारी और प्रतिनिधि समझ नहीं पाए हैं।

और तो और अधिकारीगण ऐसे किसी भी निर्णय से बचने की कोशिश कर रहे हैं जिससे कि भविष्य में उनके ख़िलाफ़ कोई कार्यवाही ना हो जाए। रिटायर्ड पूर्व आईएएस जीएस संधू व आरएएस निष्काम दिवाकर और ओंकारमल सैनी जो कि वर्तमान में आरएएस हैं उन पर लगा एकल पट्टा प्रकरण भ्रष्टाचार का गंभीर मामला बन गया है। यह मामला अब अन्य अधिकारियों की भी नींद उड़ाए है। इस अनुभव के चलते जोन उपायुक्त पट्टो पर साइन करने से भी कतरा रहे हैं।

जहां संपूर्ण प्रदेश में पट्टा वितरण 55 दिनों में एक लाख पाँच हज़ार पाँच सौ उन्नीस आंकड़ा छू रहा है ऐसे में राजधानी में दोनों निगम ग्रेटर व हैरिटेज से 55 दिन में दो हजार पट्टे भी जारी नहीं किये जा सके। इसी के साथ-साथ सरकार 501 में पट्टा जारी करने की दुहाई देती नज़र आती है। करोड़ों के विज्ञापन प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से जनता के कानों में गूँज रहे हैं आँखों में चमक भर रहे हैं किंतु सम्बंधित कार्य हेतु निगम की विजिट करने पर ज्ञात होता है कि नक्शे और अन्य फाइल खर्च मिलाकर 15-20 हज़ार का ख़र्चा एक पट्टे पर आएगा। रेवेन्यू भले सरकार के ख़ज़ाने में न जा रहा हो लेकिन ज़ेब सबकी गर्म कर रहा है। निगम के बाहर बैठी प्राइवेट एजेंसियां मुँह मांगी क़ीमत पर फाइल तैयार कर रही हैं। ज़रूरतमंद मज़बूरी में सर झुका कर सहमति दे रहा है और काम करवा रहा है। क्या नक्शे व फाइल की पूर्ति के लिए सरकार की ओर से कर्मचारी नियुक्त नहीं होने चाहिए जो कि आम जनता की फाइल की आवश्यक पूर्ति कर सके और अगर नियुक्ति की गई है तो वह टेबल कहाँ लगी है दोनों निगम में नज़र नहीं आती। यह है प्रशासन शहरों के संग के पीछे छुपा काला सच!

कटरीना के गालों जैसी सड़क वाले बयान से सीएम नाराजः मंत्री गुढ़ा को गहलोत की नसीहत, कहा...

मर्यादा से बाहर राजनीति कोई पसंद नहीं करेगा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। अपनी विधानसभा क्षेत्र की सड़कें कटरीना कैफ के गालों जैसी बनाने की बात कहने वाले मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के बयान पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आपत्ति जताई है। सीएम गहलोत ने राज्य मंत्री गुढ़ा को मर्यादा में रहने की नसीहत दी है। कल ही राज्यमंत्री गुढ़ा ने अपने क्षेत्र के एक कार्यक्रम में अफसरों से कहा था कि हेमा मालिनी अब बूढ़ी हो गईं, अब तो कटरीना कैफ के गालों जैसी सड़कें बननी चाहिए। इस बयान पर सीएम ने गंभीर आपत्ति जताई है। सीएम अशोक गहलोत ने सूरत में कहा- इस तरह के कमेंट उचित नहीं हैं। कई बार ऐसे कमेंट राजस्थान से और अन्य राज्यों से आते हैं। राजस्थान हो या अन्य राज्य का कोई व्यक्ति हो, उन्हें मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए। मर्यादा से बाहर जाकर राजनीति करेंगे तो उसे कोई पसंद नहीं करेगा। गहलोत ने कहा कि गुढ़ा ने किस संदर्भ में यह बात कही, मुझे नहीं पता। हम पता कर लेंगे कि किस संदर्भ में उन्होंने यह कहा और क्यों कहा? कई बार संदर्भ बदल जाता है, कहने का मकसद कुछ दूसरा होता है और चला कुछ और जाता है। मैं इतना कह सकता हूं कि मर्यादा हर व्यक्ति को रखनी चाहिए। मंत्री और मुख्यमंत्री को तो ज्यादा मर्यादा रखनी चाहिए। हर इंसान को मर्यादा रखनी चाहिए।

पहले भी बयानों से विवादों में रहे हैं गुढ़ाः मंत्री राजेंद्र गुढ़ा अपने बयानों के कारण पहले भी विवादों में रहे हैं। साल 2017 में एक प्रदर्शन के दौरान गुढ़ा एक चैनल पर लाइव प्रसारण में तत्कालीन बीजेपी सरकार को अपशब्द कहकर विवादों में आए थे। गुढ़ा इस साल अपने इलाके में हर घर नल स्कीम मंजूर नहीं करने से नाराज होकर जयपुर में चीफ इंजीनियर के चैंबर में धरने पर बैठ गए थे।

हम नहीं होते तो अब तक सरकार की पहली पुण्यतिथि मन चुकी होती: मंत्रिमंडल विस्तार में देरी होने पर भी गुढ़ा पिछले साल कहा था- बुढ़ापे में शादी का कोई मतलब नहीं है, अब मंत्रिमंडल विस्तार पर भी यही बात लागू होती है। इसी साल जून में गुढ़ा ने कहा था कि बसपा से आने वाले विधायक नहीं होते तो अब तक सरकार कर पहली पुण्यतिथि मनाने की तैयारी हो चुकी थी।

दिल्ली में डोटासरा-पायलट की बैठक

कांग्रेस संगठन में पायलट समर्थकों को मिलेगी जगह, सचिन बोले...हर तबके का प्रतिनिधित्व हो

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। गहलोत मंत्रिमंडल विस्तार के बाद अब कांग्रेस संगठन में खाली पड़े पदों पर नियुक्तियों के लिए काम शुरू हो गया है। कांग्रेस संगठन की नियुक्तियों में भी सचिन पायलट कैंप के नेताओं को ठीक संख्या में जगह मिलेगी। संगठन में नियुक्तियों में भी शेयरिंग फॉर्मूला लागू होगा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और सचिन पायलट के बीच बुधवार को दिल्ली में इस मामले को लेकर बैठक हुई है। पायलट समर्थकों को संगठन में नियुक्तियां देने के फॉर्मूले पर चर्चा हुई है। इन्हें प्रदेश कार्यकारिणी से लेकर जिला और ब्लॉक स्तर तक पदाधिकारी बनाया जाएगा।

दिल्ली में सचिन पायलट और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा के बीच लंबी चर्चा हुई है। बताया जाता है कि कांग्रेस हाईकमान के स्तर पर सत्ता संगठन में पायलट

समर्थकों को जगह देने पर पहले से ही मंजूरी मिल चुकी है। अब फेज मैनर में सभी फैसलों को लागू करना है। कांग्रेस संगठन में पिछले साल जुलाई से भंग पड़े जिला और ब्लॉक में हजारों नेताओं को पद दिए जाने हैं। उन पदों पर पायलट समर्थकों को भी अच्छी संख्या में जगह मिलेगी।

पायलट बोले- हर तबके को प्रतिनिधित्वः बैठक के बाद सचिन पायलट ने कहा- प्रदेशाध्यक्ष के साथ राजस्थान में सत्ता और संगठन में हर तबके को प्रतिनिधित्व मिले, इस पर चर्चा हुई है। हम चाहते हैं कि राजस्थान में सरकार और संगठन में हर वर्ग और हर तबके के लोगों का प्रतिनिधित्व हो। राजस्थान के हर तबके को यह लगना चाहिए कि यह हमारी अपनी सरकार है। आने वाले दिनों में राजस्थान में संगठन में और विस्तार होगा। मुझे लगता है कि उसके लिए हम सभी मिलकर काम करेंगे।

पायलट ने कहा- राजस्थान में सत्ता और संगठन में सबकी राय लेकर काम किया जाएगा। हमारा उद्देश्य यह है कि 22 महीने बाद जब चुनाव हो तो कांग्रेस प्रचंड बहुमत के साथ राजस्थान में फिर से सत्ता में आए। हम मिल बैठकर राजस्थान में संगठन, सरकार और क्षेत्र की बात करेंगे।

केंद्र की बीजेपी सरकार को एक्सपोज करेंगे: पायलट ने कहा- केंद्र में बीजेपी की कुशासन की सरकार है। ऐसे में राजस्थान कांग्रेस और कार्यकर्ताओं की क्या भूमिका रहेगी, हम कैसे जनता का विरोध और आक्रोश सड़कों पर लेकर आते हैं। इन सब बातों की हमने चर्चा की है। प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और हम सब ने मिलकर यह तय किया है कि बीजेपी की केंद्र की सरकार को एक्सपोज करें और पब्लिक की आवाज को पुरजोर तरीके से उठाएंगे।

सरकार और संगठन में मिलेगी पायलट समर्थकों को जगहः मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद अब राजनीतिक नियुक्तियों और कांग्रेस संगठन में भी पायलट समर्थकों को जगह मिलना तय है। प्रदेश से लेकर ब्लॉक स्तर तक बनने वाले पदाधिकारियों में कई पायलट समर्थक नेता दावेदार हैं। मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद सचिन पायलट लगातार सक्रिय हैं। सचिन पायलट अब बयानों में 2023 पर ज्यादा जोर दे रहे हैं और बीजेपी पर लगातार हमले कर रहे हैं। सुलह कमेटी में तय हुए मुद्दों में से मंत्रिमंडल में पायलट समर्थकों को शामिल कर एक बड़ी मांग पूरी हो गई है। अब पायलट को केंद्रीय संगठन में जिम्मेदारी देने की तैयारी है, लेकिन राजस्थान में भी सक्रिय रहेंगे।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

02

जयपुर >> रविवार, 28 नवम्बर, 2021

संपादकीय

विकसित शहरों से ही निखरेगा भारत, जेवर एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को देगा एक नया आयाम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गौतमबुद्ध नगर के जेवर में देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट की आधारशिला रखने जा रहे हैं। यह एयरपोर्ट नोएडा ही नहीं, अपितु समूचे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को एक नया आयाम देगा। इससे नोएडा के ग्लोबल एक्सपोजर में भी सहायता मिलेगी। तरक्की की ऊंची उड़ान का यह पड़ाव इस बात का प्रमाण है कि भले ही विकसित देशों में शहरीकरण ढलान की ओर हो, लेकिन विकासशील देशों में अभी भी शहर विकास के इंजन बने हुए हैं। इसीलिए इन देशों में उद्देश्य विशेष के लिए शहर बसाए जा रहे हैं। आंध्र प्रदेश में अमरावती और गुजरात में गांधीनगर के पास गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी (गिफ्ट) इसके बड़े उदाहरण हैं। शहर केंद्रित विकास की यह प्रवृत्ति दक्षिण कोरिया, वियतनाम और मेक्सिको जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं में हावी है।

चीन ने तो पिछले तीन दशकों में 19 छोटे शहरों को बड़े शहरों में बदल डाला। दरअसल एक क्षेत्र विशेष में औद्योगिक प्रतिष्ठानों और जनसंख्या के एकत्रीकरण से निर्मित विशालकाय बाजार में न सिर्फ परिवहन सुगम होता है, बल्कि व्यापारिक लागत भी कम आती है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह विशालकाय बाजार विकास के इंजन की भांति काम करता है। महानगरों की मांग और वहां बढ़ती भीड़ ने आसपास के इलाकों की तस्वीर बदल दी है। नोएडा इसका सटीक उदाहरण है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 1976 में 36 गांवों को जिस नवीन ओखला औद्योगिक विकास क्षेत्र यानी नोएडा के रूप में स्थापित किया था, वही आज ग्लोबल सिटी बनने की ओर अग्रसर है।

राजनीतिक हलकों में नोएडा को लेकर फैले अंधविश्वास को दरकिनार करते हुए उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब तक दर्जनों बार नोएडा आकर उसे अरबों रुपये की परियोजनाओं की सौगात दे चुके हैं। इसी का नतीजा है कि नोएडा आज देश में सबसे अधिक निवेश आकर्षित करने वाला जिला बन चुका है।

नोएडा में पिछले साढ़े चार वर्षों में रिकार्ड तोड़ 64,362 करोड़ रुपये का निवेश आया है, जिससे यहां 4,84,922 लोगों को रोजगार मिला। यदि देश के सभी 718 जिलों को देखें तो किसी भी जिले में इतना अधिक निवेश नहीं आया है। इस प्रकार नए निवेश में मुंबई और बेंगलुरु जैसे दिग्गज शहरों को पीछे छोड़ते हुए नोएडा सबसे अधिक औद्योगिक निवेश वाला जिला बन गया है। इस तमगे को पाने में शहर के बेहतरीन बुनियादी ढांचे की बेहद अहम भूमिका रही है। फिलहाल यहां नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण और यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के रूप में तीन प्राधिकरण सक्रिय हैं। यहां देसी-विदेशी निवेशकों ने 64,362 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इनमें सैमसंग, टीसीएस, माइक्रोसाफ्ट, अदाणी समूह, केंट आरओ और हल्दीराम जैसे बड़े निवेशक शामिल हैं। अकेला यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ही क्षेत्र में एमएसएमई पार्क, अपैरल पार्क, टाय सिटी, मेडिकल पार्क, फिल्म सिटी और जेवर एयरपोर्ट का विकास कर रहा है। वहीं राज्य सरकार 100 एकड़ में प्लास्टिक प्रोसेसिंग पार्क बना रही है। दरअसल उत्तर प्रदेश सरकार की निवेशक अनुकूल नीतियों से प्रभावित होकर देश-विदेश के बड़े निवेशक नोएडा में निवेश कर रहे हैं। इन्वेस्टर समिट में राज्य के लिए जिन सहमति पत्रों यानी एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, उनमें से करीब 60 प्रतिशत नोएडा के लिए हुए हैं।

नोएडा इलेक्ट्रानिक मैन्यूफैक्चरिंग के नए गढ़ के रूप में भी उभरा है। सैमसंग, ओप्पो, वीवो और लावा जैसी कंपनियां यहां अपनी इकाइयां लगा रही हैं या पहले से स्थापित इकाइयों का दायरा बढ़ा रही हैं। सैमसंग ने तो यहां दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल फैक्टरी बनाई है। यह दक्षिण कोरियाई दिग्गज कंपनी 'इंडिया मेक फार द वर्ल्ड' जैसी मुहिम भी चला रही है, जिसका लक्ष्य भारत में निर्मित हैंडसेट को विदेशी बाजारों में निर्यात करना है। यीडा में वीवो अपनी मोबाइल हैंडसेट विनिर्माण इकाई लगा रही है, जिसकी सालाना क्षमता 12 करोड़ हैंडसेट की है। राज्य सरकार की लाजिस्टिक नीति के तहत ग्रेटर नोएडा में 7,725 करोड़ रुपये के निवेश से मल्टी माडल लाजिस्टिक हब और मल्टी माडल ट्रांसपोर्ट हब बन रहा है। वहीं ग्रेटर नोएडा में दिल्ली-मुंबई इंडस्टियल कारिडोर के अंतर्गत तीन बड़ी परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। अब इन तीनों परियोजनाओं को जेवर एयरपोर्ट से जोड़ने का खाका तैयार किया जा रहा है। अभी नोएडा से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे बंदरगाह शहरों तक माल भेजने में चार-पांच दिन लगते हैं, लेकिन मल्टी माडल ट्रांसपोर्ट हब बन जाने से यह 24 घंटे में ही भेजा जा सकेगा।

ग्रेटर नोएडा में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कौशल विकास केंद्र खुल रहा है। मुंबई की भांति यीडा में फाइनेंस सिटी की स्थापना हो रही है। उसमें देश भर की वित्तीय संस्थाओं को प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाएगा। फिल्म सिटी में देश के सभी बैंकों के कारपोरेट दफ्तर, वित्तीय संस्थाएं, शेयर बाजार, स्टाक एक्सचेंज और कमोडिटी बाजार से जुड़े कार्यालय आदि को जमीन दी जाएगी। उद्यमियों की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए योगी सरकार ग्रेटर नोएडा में आठ नए औद्योगिक क्लस्टर बनाने जा रही है।

स्पष्ट है कि सूचना प्रौद्योगिकी आधारित नवोन्मेषी युग में देश तभी अग्रणी बनेगा जब उसके विभिन्न हिस्सों में विश्वस्तरीय शहरों का विकास किया जाए। इससे न सिर्फ देश का सर्वांगीण विकास होगा, बल्कि यह महानगरों में कायम तमाम समस्याओं का समाधान भी करेगा। बेहतर हो कि देश के अन्य राज्यों में नोएडा जैसे शहर विकसित किए जाएं और वे आपस में विकास के लिए होड़ करें।

सख़्त पुलिसवाली तापसी

प्रतीक का भी नया अवतार

क्रिकेट खिलाड़ी मिताली राज की बायोपिक पूरी करने के बाद अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग राजस्थान में शुरू कर दी है. इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगे 'स्कैम 1992' में मशहूर हुए अभिनेता प्रतीक गांधी. फिल्म का नाम है 'वो लड़की है कहां' और इस फिल्म का फर्स्ट लुक इसके निर्माताओं जंगली पिक्चर्स और रॉय कपूर फिल्म्स ने जारी किया. इस कॉमेडी ड्रामा स्टोरी के लिए दोनों स्टूडियो ने हाथ मिलाया है.

अरशद सैयद लिखित और निर्देशित फिल्म 'वो लड़की है कहां' के लिए तापसी पन्नू और प्रतीक गांधी पहली बार एक साथ आ रहे हैं. इस फिल्म में तापसी पन्नू एक सशक्त पुलिसवाली के रूप में अपना पहला कॉमेडी रोल निभाती हुई नजर आएंगी. 'स्कैम 1992' में अपनी भूमिका के लिए ढेर सारी तारीफें बटोरने वाले प्रतीक गांधी एक मसाला मैग्नेट फैमिली के युवा नवविवाहित वंशज के रूप में बेहद अलग अवतार में नजर आएंगे. निर्माताओं ने जयपुर में उनके वर्तमान शूटिंग शेड्यूल से फिल्म के एक्टर्स का एक एक्साइटिंग फर्स्ट लुक शेयर किया है. जंगली पिक्चर्स की अपकमिंग फैमिली एंटरटेनर फिल्मों में 'बधाई दो', 'डॉक्टर जी' के बाद 'वो लड़की है कहां' शामिल हो गई है. पहली बार एक पुलिसवाली की भूमिका निभाने और फिल्म में अपने लुक को शेयर करने पर तापसी कहती हैं, 'महिला पुलिस की भूमिका निभाना और कॉमेडी फिल्म करना हमेशा से मेरी चेकलिस्ट में रहा है और मुझे खुशी है कि आखिरकार इस फिल्म में मुझे दोनों करने का मौका मिल रहा है. मैंने प्रतीक का काम देखा है और मुझे लगता है कि वह एक बेहद टैलेंटेड एक्टर हैं. अरशद ने कमाल की स्क्रिप्ट लिखी है जिसमें शानदार हास्य के साथ बहुत सारे सारे जज्बात भी हैं.' प्रतीक ने कहा, मैंने अब तक जो भी काम किया है, वो लड़की है कहां में मेरा किरदार उससे बहुत अलग है और यह बहुत रोमांचक है. तापसी बेहद टैलेंटेड हैं और उनके साथ काम करने को लेकर मैं बहुत एक्साइटेड हूं. अरशद के पास एक बड़ा विजन है और उन्होंने इस कहानी को बहुत बारीकी से लिखा है.

धर्मेन्द्र को सबसे हैंडसम मानते हैं सलमान

बॉलीवुड के दबंग सलमान खान 55 साल की उम्र में भी एकदम फिट हैं और उनके लाखों चाहने वाले हैं. लेकिन सलमान किसी और के फैन हैं और वे उन्हें फालो करते हैं. भाईजान ने अपने मोस्ट ब्यूटीफुल मैन के नाम का खुलासा किया है. सलमान कहते हैं कि धर्मेंद्र बॉलीवुड के खूबसूरत एक्टर हैं.

उन्होंने कहा, धरम पाजी बॉलीवुड के सबसे हैंडसम एक्टर हैं. मैंने हमेशा से धरम को ही फॉलो किया है. उनके चहेरे पर एक मासूमियत है. वो सबसे खूबसूरत शख्सियत हैं. उनकी मैनली बॉडी का मैं फैन हूं. सलमान के मुंह से अपनी तारीफ सुन धर्मेन्द्र बहुत खुश हैं. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा है, 'सलमान, आपने जो प्यार भरा कमेंट मेरे बारे में किया, उसके लिए मेरी तरफ से आपको ढेर सारा प्यार. अब मैं कल की कहानी हो गया हूं. आप बॉलीवुड के सबसे हैंडसम एक्टर हैं. आपकी सादगी के लिए आपको मैं पसंद करता हूं.' सलमान और धर्मेंद्र एक साथ 'प्यार किया तो डरना क्या' फिल्म में नजर आ चुके हैं.

जॉन का साथ नहीं छोड़ेंगी दिव्या

बॉलीवुड निर्देशक मिलाप जावेरी 'सत्यमेव जयते 2' लेकर आ रहे हैं जो वर्ष 2018 में प्रदर्शित फिल्म 'सत्यमेव जयते' का सीक्वल है. इसमें जॉन अब्राहम और दिव्या खोसला कुमार की जोड़ी दिखाई देगी. लेकिन यह जोड़ी एक फिल्म में ही दिखाई नहीं देगी, बल्कि दिव्या ने आगे भी जॉन का साथ न छोड़ने का फैसला किया है.

दोनों की जोड़ी मुकेश भट्ट की फिल्म में रिपीट की जाएगी. इस फिल्म की कास्टिंग चल रही है और स्क्रिप्ट रेडी की जा रही है. सत्यमेव जयते-2 के लिए दिव्या ने कड़ी मेहनत की है. मिलाप कहते हैं, फिल्म में जॉन और दिव्या की जोड़ी जबरदस्त है. दोनों ने काफी पसीना बहाया है. दिव्या जो कुछ भी करती हैं, उसमें अपना दिल लगा देती हैं. वह अपने किरदार के प्रति बहुत भावुक व समर्पित हैं और यह बात फिल्म में उनके प्रदर्शन में भी बहुत अच्छी तरह से दिखाई देती है. वह फिल्म में विद्या का किरदार निभा रही हैं जो सुंदरता, शक्ति और पवित्रता का प्रतीक है. उनके जैसी बेहद प्रतिभाशाली और प्रतिबद्ध अभिनेत्री के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा.

जैकलीन के जुगाड़ पर मर मिटे अक्षय

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस इन दिनों अक्षय कुमार के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म 'राम सेतु' की शूटिंग में व्यस्त हैं. इस बीच जैकलीन ने अपने बालों को कर्ली करने के लिए ऐसा जुगाड़ किया की अक्की पाजी उस पर मर मिटे. अक्षय ने जैकलीन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसमें एक्ट्रेस एक बड़ा जुगाड़ लगाते दिखाई दे रही है. **अक्षय** ने महिलाओं को जैकलीन का तरीका देखने को कहा है. वीडियो में जैकलीन अपने बालों को कर्ल करने की कोशिश कर रही हैं. वीडियो पोस्ट करते हुए अक्षय ने लिखा कि सभी महिलाओं के लिए जैकलीन फर्नांडिस का जुगाड़, हेलीकॉप्टर में बैठे-बैठे कैसे बालों को कर्ल करें. जैकलीन हेलीकॉप्टर के छोटे से छेद में अपने बाल घुसाती हैं. फिर हवा से उनके हेयर्स उड़ते हैं और हल्के कर्ल हो जाते हैं. फिल्म राम सेतु में अक्षय कुमार आर्कियोलॉजिस्ट का किरदार निभा रहे हैं.

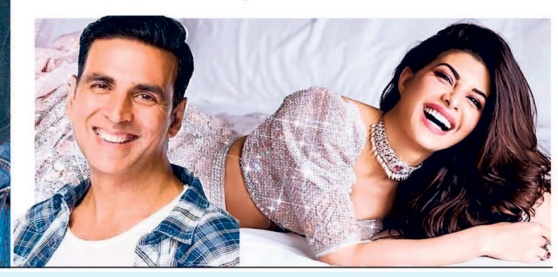

प्रोफेसर अर्जुन

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल ब्लॉकबस्टर हिट सीरीज मनी हाइस्ट के हिंदी रीमेक 'थी मंकी' में प्रोफेसर की भूमिका निभाते नजर आएंगे.

फिल्मकार जोड़ी अब्बास-मस्तान इस कहानी पर फिल्म बनाने जा रहे हैं. मनी हाइस्ट एक स्पैनिश वेब सीरीज है. अब इस सीरीज की कहानी को फिल्म में दर्शाया जाएगा. इस फिल्म का टाइटल थ्री मंकी रखा गया है. अर्जुन रामपाल इस फिल्म में प्रोफेसर की भूमिका में नजर आएंगे. फिल्म की शूटिंग दिसम्बर से शुरू की जाने वाली है, जिसके लिए कास्टिंग पर काम शुरू हो चुका है. शूटिंग मुंबई में शुरू होगी. मुंबई का शेड्यूल पूरा होने के बाद इसकी शूटिंग देश के कई हिस्सों में होगी.

Gadgets जोन

यूट्यूब Shorts से बना पाएंगे 60 सेकेंड का वीडियो

आजकल यूजर्स के बीच शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म का क्रेज काफी बढ़ गया है, जिसे देखते हुए गूगल ने शॉर्ट वीडियो प्लेटफार्म यूट्यूब शॉर्ट्स को भारत में लांच कर दिया है. यह एक ऐसा ऑनलाइन प्लेटफार्म है, जहां यूजर छोटे वीडियो को शूट करके शेयर कर सकते हैं. ये YouTube Shorts तत्काल तैयार किए जा सकते हैं और ये ज्यादा से ज्यादा 60 सेकंड के या उससे भी कम समय के हो सकते है. शॉर्ट वीडियो में आप नए ट्रेंड, डांस चैलेंज, फनी वीडियो आदि तैयार कर सकते हैं. इसके अलावा इन वीडियो को ऑनलाइन एडिट करने के साथ ही शेयर कर सकते हैं. YouTube Shorts वीडियो अपने मोबाइल फोन से ही शूट कर सकेंगे. ऐप में रिकॉर्डिंग की स्पीड को कम या ज्यादा कर सकते हैं, साथ ही वीडियो एडिटिंग के दौरान ऐप में दिए गए फिल्टर्स का इस्तेमाल किया जा सकता है. कई वीडियो को आपस में जोड़ सकते हैं. म्यूजिक, टेक्स्ट, कैप्शन आदि लगा सकते हैं.

BSF में कांस्टेबल, ASI पदों की भर्ती

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने डीएम जीडीई-III में एएसआई, एचसी और कांस्टेबल के ग्रुप-सी 'कॉम्बैटाइज्ड (अराजपत्रित-गैर मंत्रिस्तरीय) सर्विसेस जैसे कारपेंटर, प्लंबर, सीवरमैन, जेनरेटर ऑपरेटर, जेनरेटर मैकेनिक और लाइनमैन आदि के कुल 72 पदों पर भर्ती के लिए bsf.gov.in पर आवेदन आमंत्रित किए हैं. योग्य और इच्छुक उम्मीदवार बीएसएफ भर्ती 2021 के लिए आधिकारिक वेबसाइट यानी rectt.bsf.gov.in पर 29 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं.

नियुक्ति वार्ता

NTPC

नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (NTPC) ने मैकेनिकल और सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एग्जीक्यूटिव के पदों पर भर्ती के लिए एक संक्षिप्त अधिसूचना प्रकाशित किया है. योग्य और इच्छुक उम्मीदवार NTPC भर्ती के लिए 30 नवंबर 2021 तक NTPC करिअर की आधिकारिक वेबसाइट -careers.ntpc.co.in पर आवेदन कर सकते हैं.

IOCL

12वीं पास उम्मीदवार जिनकी आयु 18 से 24 वर्ष के बीच है, को आईओसीएल सरकारी नौकरी पाने का मौका दे रहा है. इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) ने अपने ऑफिशियल वेबसाइट iocl.com पर टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल अप्रेंटिस की भर्ती के लिए एक अधिसूचना प्रकाशित किया है. योग्य और इच्छुक उम्मीदवार iocl.formflix.com पर 04 दिसंबर 2021 तक या उससे पहले ऑनलाइन

TV मैजिक

परफेक्ट इंसान के पीछे छुपा तानाशाह

शो 'जिद्दी दिल-माने ना' की कहानी में दोस्ती और आर्मी ट्रेनी की जिंदगी को दिखाया गया है. शो में अभय की भूमिका निभाने वाले एक्टर करण वीर मेहरा ने कहा कि अभय एक सफल उद्योगपति है जिसकी बड़ी जगहों पर पहचान है. अपने महंगे कपड़ों, अच्छे लुक्स और बेहतरीन करिअर के साथ अभय एक आदर्श व्यक्ति लगता है. लेकिन इस परफेक्ट इंसान के पीछे एक उलझा हुआ और तानाशाह इंसान छुपा है. करण ने बताया कि मेरा किरदार काफी संवेदनशील है और काफी महिलाएं डर के मारे अभय जैसे लोगों के साथ जिंदगी जी रही हैं. यह शो सोनी सब प्रसारित होता है.

उलझा हुआ चालाक आदमी

शो में वैभव खलनायक के रूप में है जो एक चालाक आदमी है, जिसे लोगों की भावनाओं के साथ खेलना अच्छा लगता है. वैभव उलझा हुआ किरदार है लेकिन आकर्षक और महत्वाकांक्षी है. वह जो चाहता है, उसे हासिल करने के लिए लोगों को उलझाने में किसी भी हद तक जा सकता है.

लौट आए विवियन

दो वर्ष तक छोटे पर्दे से दूर रहे एक्टर विवियन डिसेना एक बार फिर टीवी पर लौट आए हैं. अपने नए धारावाहिक 'सिर्फ तुम' में रणवीर ओबेरॉय के किरदार में वे कहानी की नायिका सुहानी के हमसफर बनते दिखाई देंगे. इसमें सुहानी की भूमिका ईशा सिंह निभा रही हैं.

'सिर्फ तुम' में विवियन चिड़चिड़ा, गुस्सैल और आवेग में रहता है. वह जो चाहता है, उसे पाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है. वहीं सुहानी उसके एकदम विपरीत कोमल, सीधी-साधी और धैर्य की मूरत है. जब रणवीर को सुहानी से प्यार हो जाता है तो उसे पाने का जुनून उस पर सवार हो जाता है और फिर एक गहरी प्रेमकहानी की शुरुआत होती है. विवियन कहते हैं, यह रणवीर के जुनून और सुहानी के हौसले की कहानी है. रणवीर के किरदार में कई रंग हैं. सुहानी के साथ उनकी केमिस्ट्री बहुत अच्छी है. विवयन इस शो को खुद की घरवापसी बताते हैं.

न्यू ALBUM

कूल गानू संग चिल कर रही अमृता

गाया 'मानिके मगे हिथे' का हिंदी वर्जन

पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की पत्नी अमृता ने अपनी आवाज में वायरल सांग 'मानिके मगे हिथे' का हिंदी वर्जन गाया है. इसी गीत से श्रीलंका की सिंगर योहानी को भारत समेत विश्वभर में प्रसिद्धि मिली और वो रातों-रात इंटरनेट पर सिंगिंग सेंसेशन बन गईं थी. अब अमृता ने इसे गाकर सोशल मीडिया पर सभी का ध्यान आकर्षित किया है. इस गाने को श्रीलंकाई भाषा में गाया गया है लेकिन इसका हिंदी वर्जन पेश करके अमृता ने लोगों को सरप्राइज कर दिया है. उन्होंने ट्विटर पर इसे रिलीज करते हुए लिखा, "राजनीति में बढ़ती गर्मी के बीच इस कूल गाने के साथ चिल पिल करें."उनके गाने के लेटेस्ट वीडियो को करीब 2 लाख 60 हजार से भी ज्यादा व्यूज प्राप्त हो चुके हैं.

अमिताभ को बेटे पर गर्व

अमिताभ बच्चन ने आगामी थ्रिलर फिल्म 'बॉब बिस्वास' के ट्रेलर को देखने के बाद ट्विटर पर बेटे अभिषेक के लिए तारीफों के पुल बांधे हैं. बिग बी ने ट्विटर पर लिखा, "मुझे ये कहते हुए गर्व हो रहा है कि तुम मेरे बेटे हो." इसके जवाब ने अभिषेक ने लिखा, "लव यू पा, आप हमेशा हमारे बिग बी रहेंगे." 'बॉब बिस्वास' में अभिषेक के साथ चित्रांगदा सिंह लीड रोल में नजर आएंगी.

शिखर दृष्टि जीवन की...

साप्ताहिक समाचार पत्र

हिल्यू समाचार

शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या

RAJHIN16831/20/01/2013-TC

जयपुर >> रविवार, 28 नवम्बर, 2021

hillviewsamachar@gmail.com

महिला बाल विकास मंत्री ने कार्यभार ग्रहण किया

महिला एंव बाल विकास के क्षेत्र में हमने किए हैं बेहतरीन कार्य हमारे प्रयासों से राजस्थान में बन रही नयी तस्वीर : ममता भूपेश

जयपुर। राज्यमंत्री से कैबीनेट मंत्री के पद पर पदोन्नत महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने बुधवार को यहां सचिवालय स्थित मंत्रालय भवन के अपने कक्ष में महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता तथा योजना मंत्री का पदभार ग्रहण कर लिया।

महिला एवं बाल विकास, मंत्री ने इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में हमने बहुत से बेहतरीन कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि महिला एंव बाल विकास के क्षेत्र में आधारभूत और बेहतरीन कार्य किया है। हमारे द्वारा किये गए इन प्रयासों से राजस्थान में महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में नयी तस्वीर बन रही है।

ममता भूपेश ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में हमारे द्वारा राजस्थान में पहली बार एक हजार करोड़ रूपये की महिला शक्ति निधि का प्रावधान किया गया। इसी प्रकार इंदिरा महिला शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में उद्यम स्थापित करने के लिए महिलाओं को एक करोड़ रूपये तक का ऋण दिए जाने का प्रावधान किया गया। इसी प्रकार महिला को कई तरह के निःशुल्क रोजगार प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। निःशुल्क कम्प्यूटर कोर्स करवाए जा रहे हैं। प्रदेश में कई योजनाओं के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा रहा है।

महिला बाल विकास मंत्री ने कहा कि हमने 200 करोड़ रूपये की आई एम शक्ति उड़ान योजना पर कार्य किया है।

शीघ्र ही योजना लॉन्च होगी, जिसमें प्रदेश की महिलाओं में महावारी स्वच्छता जागरूकता के साथ 10 से 45 वर्ष तक की किशोरियों और महिलाओं को निःशुल्क सैनेटरी नैपकिन वितरित किये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमारे पास में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से अलग किया जाकर बाल अधिकारिता विभाग मुझे दिया गया है। निश्चित रूप से बाल अधिकारों के क्षेत्र में तत्परता से कार्य किया जायेगा। बाल अपराधों को रोकने के साथ हम बाल विवाह को रोकने के क्षेत्र में भी कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे आयोजना विभाग की भी जिम्मेदारी मिली है। हम इस क्षेत्र में आयोजना से जुड़े कार्यों को गति प्रदान की जायेगी।

जलदाय एवं भूजल मंत्री डॉ. जोशी ने संभाला कार्यभार और बोले...

जनता को निर्बाध, नियमित और पर्याप्त मात्रा में पेयजल आपूर्ति पर रहेगा फोकस

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जलदाय एवं भूजल मंत्री डॉ. महेश जोशी ने कहा है कि प्रदेश में जनता को निर्बाध, नियमित और पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति पर विभाग का पूरा फोकस रहेगा। साथ ही पानी की बर्बादी को रोकने के लिए आमजन के सहयोग से हर स्तर पर सजगता के साथ पुरजोर प्रयास किए जाएंगे। डॉ. जोशी बुधवार को शासन सचिवालय में राज्य के नए जलदाय एवं भूजल मंत्री के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने आमजन से पानी बचाने की अपील करते हुए कहा कि पानी अनमोल है, जनता इसका मोल समझ कर इसके अधिकतम सदुपयोग को अपनी आदत बनाएं।

जनता की जरूरतों के अनुरूप होंगे कार्य: जलदाय मंत्री ने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और इसके साथ ही लोगों की प्राथमिकताएं भी बदली है, ऐसे में दैनिक जीवन में लोगों की जरूरतों के अनुरूप विभागीय परियोजनाओं और कार्यक्रमों को गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि गत तीन साल में प्रदेश में जलदाय विभाग सहित सभी विभागों में जनहित के ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। इस दौरान कोरोना के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के बाद भी प्रदेश में जल जीवन मिशन (जेजेएम) सहित अन्य पेयजल परियोजनाओं के कार्यों को आगे बढ़ाया गया है। जेजेएम में पिछले कुछ समय में काफी तेजी से कार्य हुआ है। विभाग के तहत जेजेएम सहित सभी परियोजनाओं के कार्यों को इस सोच के साथ गति दी जाएगी कि इन पर जो पैसा खर्च हो रहा है, उसका पूरा फायदा आमजन को मिले।

पेयजल-अपव्यय रोकने को बनेगी ठोस रणनीति: डॉ. जोशी ने कहा कि कई स्थानों पर पाइपलाइन में लीकेज के कारण पानी बर्बाद हो जाता है। इसके लिए प्रदेश में जहां भी पाईपलाइनें पुरानी हो गई है, उनको बदलकर पेयजल के अपव्यय को रोकने के लिए ठोस रणनीति के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी, इंजीनियर्स तथा तकनीक एवं अधीनस्थ कार्मिकों के सामंजस्य से विभाग की पूरी टीम जनता की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

बापू को नमन कर किया सचिवालय में प्रवेश: जलदाय एवं भूजल मंत्री के पद पर कार्यभार ग्रहण करने के लिए सचिवालय पहुंचने पर डॉ. जोशी ने सबसे पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष नमन किया और फिर गणेशजी के दर्शन कर मुख्य भवन में स्थित अपने कक्ष में पहुंचे।

अधिकारियों ने दी बधाई: डॉ. जोशी का जलदाय एवं भूजल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत की अगुआई में वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया । इस मौके पर डॉ. जोशी के सुपुत्रा श्री रोहित जोशी व अन्य शुभचिंतक, प्रशंसक और समर्थकों सहित गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

इन्होंने भी किया स्वागत: डॉ. जोशी का जलदाय विभाग के संयुक्त शासन सचिव-प्रथम प्रताप सिंह, संयुक्त शासन सचिव-द्वितीय पुष्पा सत्यानी, मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) सीएम चौहान, मुख्य अभियंता (प्रशासन) राकेश लुहाड़िया, मुख्य अभियंता (जेजेएम) दिनेश गोयल, मुख्य अभियंता (विशेष प्रोजेक्ट्स) दलीप कुमार गौड़, मुख्य अभियंता (तकनीकी) संदीप शर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (ग्रामीण) देवराज सोलंकी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (शहरी) अमिताभ शर्मा, डब्ल्यूएसएसओ के निदेशक हुकमचंद वर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (जयपुर-द्वितीय) मनीष बेनीवाल एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता (जयपुर-प्रथम) अरूण श्रीवास्तव तथा कई संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं।

भजनलाल जाटव ने पीडब्लूडी मंत्री का कार्यभार संभाला

सड़क कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता पर रहेगा फोकस

जयपुर। राज्य मंत्री से पदोन्नत होने के बाद श्री भजनलाल जाटव ने बुधवार प्रातः यहां शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में सार्वजनिक निर्माण विभाग के मंत्री का पदभार ग्रहण किया।

जाटव ने पदभार ग्रहण करने के बाद अपने परिवार जनों और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है और वे यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ पूरे किये जाये।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान के हर गांव तक सड़क सुविधा की पहुंच बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने का प्रयास किया जाएगा जहां

सड़क नेटवर्क अच्छा नहीं है और ?से क्षेत्रों में राज्य और केंद्र की विभिन्न योजनाओं के तहत काम शुरू किया जाएगा। श्री जाटव ने कहा कि विभिन्न कार्यों के निर्माण की गुणवत्ता, पारदर्शिता और सुरक्षा पर हमारा मुख्य फोकस रहेगा। श्री जाटव ने राज्य में केंद्रीय हिस्सेदारी वाली विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार से अधिक समन्वय का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य भर में विभिन्न परियोजनाओं को गति देने के लिए एनएचएआई के अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई जाएगी।

कार्यभार संभालने के तुरंत बाद, श्री जाटव ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से पीएमजीएसवाई और भारतमाला सहित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उच्च अधिकारियों द्वारा श्री जाटव को राज्य में बजट घोषणा की प्रगति से भी अवगत कराया गया। उल्लेखनीय है कि श्री भजनलाल जाटव इससे पहले नागरिक सुरक्षा, कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन राज्य मंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे।

चिकित्सा मंत्री ने संभाला कार्यभार

आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: चिकित्सा मंत्री

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने बुधवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में चिकित्सा विभाग का कार्यभार संभाला। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार के लिए प्रदेशवासियों का स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर है। आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के व्यापक स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। मीणा ने कहा कि प्रदेश में 83 प्रतिशत से अधिक लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली और 53 प्रतिशत से अधिक लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि दोनों डोज लगाए बिना कोरोना से लड़ाई अधूरी रहेगी। ?से में अधिकारियों को टाइम बाउंड प्रोग्राम बनाकर जल्द से जल्द दूसरी डोज से वंचित लोगों का वैक्सीनेशन करने के निर्देश दिए जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना काल को बेहतर उपयोग करते हुए चिकित्सा सुविधाओं के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने

का काम किया है। इसी कड़ी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक केंद्रों पर ज्यादा से ज्यादा निशुल्क जांचें और दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में सभी सीएचसी और पीएचसी पर हर जरूरी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी, ताकि ग्रामीणों को उपचार के लिए शहरों की ओर रूख नहीं करना पड़े।

मीणा ने कहा कि प्रदेश की लालसोट विधानसभा क्षेत्र में विधायक कोटे से स्थानीय स्तर के प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सकीय उपकरण व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इस मॉडल को प्रदेश भर के विधायकों से भी अपनाने की अपील की जाएगी।

पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने किया पदभार ग्रहण

पर्यटन क्षेत्र में विकास के लिए बनाए जाएंगे नए ट्यूरिज्म सर्किट: पर्यटन मंत्री

जयपुर। पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित कार्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री तथा पार्टी हाईकमान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने राजस्थान को और अधिक ट्यूरिज्म फ्रेंडली बनाने पर जोर देते हुए कहा कि पर्यटन के क्षेत्र के उन्नति के लिए मध्यम व निम्न आय वर्ग पर भी फोकस किया जाएगा। पर्यटन मंत्री ने अपने पूर्ववर्ती कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उनके द्वारा कई नवाचार आरंभ किए गए थे जो राज्य के पर्यटन क्षेत्र के विकास में सहयोगी बने थे, उन्हें त्वरित गति से आगे बढ़ाया जाएगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नए ट्यूरिज्म सर्किटों को भी विकसित किया जाएगा। शीघ्र ही पर्यटन विभाग तथा राजस्थान पर्यटन विकास निगम की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित कर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। इस अवसर पर्यटन मंत्री को विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही आमजन ने भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री जूली ने कार्यभार संभाला

अधिकारियों से लिया विभागीय योजनाओं का फीडबैक

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। टीकाराम जूली ने गुरूवार को यहां शासन सचिवालय में मंत्रालय भवन कक्ष में पूजा एवं मंत्रोच्चार के बीच सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री का कार्यभार संभाला। शासन सचिव डॉ. समित शर्मा एवं निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव ओ.पी. बुनकर ने जूली का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। जूली को शासन सचिव एवं निदेशक ने विभागीय योजनाओं से अवगत कराया। श्री टीकाराम जूली से विभागीय योजनाओं के प्रभारी अधिकारियों ने भी औपचारिक भेंट की।

संविधान दिवस पर कार्यक्रम : जूली कल शुक्रवार को संविधान दिवस पर प्रातः 10 बजे अम्बेडकर भवन में संविधान की प्रस्तावना के वाचन कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं कार्मिकों को शपथ दिलाएंगे। इसके उपरान्त वे विभागीय योजनाओं की समीक्षा भी करेंगे।

उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने संभाला कार्यभार

स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करने पर होगा फोकस : उद्योग मंत्री

जयपुर। उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने बुधवार को यहां शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में उद्योग, राजकीय उपक्रम और देवस्थान विभाग का मंत्री के रुप में कार्यभार ग्रहण किया।

इस अवसर उन्होंने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाओं को देखते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर हमारा फोकस रहेगा। साथ ही, राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से युवाओं को उद्योगों से जोड़ने के प्रयास भी सुनिश्चित किए जाएंगे।

रावत ने कहा कि राजस्थान बेहतर निवेश गंतव्य के रुप में ऊभर रहा है। हाल ही में दुबई एक्सपो के दौरान हुए 45 हजार करोड़ से अधिक के एमओयू और एलओआई राज्य सरकार की नीतियों पर निवेशकों का भरोसा दर्शाता है। उन्होंने कहा कि 24 और 25 जनवरी को होने वाले इन्वेस्ट राजस्थान के लिए देश-विदेश के निवेशकों को आंमत्रित किया जा रहा है। इससे पहले श्रीमती रावत ने सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और पूजा अर्चना की।

शिक्षा मंत्री डॉ बीडी कल्ला ने किया कार्यभार ग्रहण

5वीं बार संभाली शिक्षा की कमान

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। कैबिनेट फेरबदल के बाद डॉ बी डी कल्ला ने मंगलवार को शिक्षामंत्री का कार्यभार ग्रहण कर लिया। डॉ कल्ला ने कहा कि 5 वीं बार उन्हें शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है और उनका प्रयास रहेगा कि उनके अनुभव का लाभ प्रदेश की जनता को मिले। उन्होंने कहा कि गत वर्षों में प्रदेश में शिक्षा का विस्तार हुआ है तथा उचित आंकलन के बाद शिक्षा की सभी समसामयिक समस्याओं का समाधान निकाला जाएगा।

उन्होंने कहा कि उनके पूर्व कार्यकाल में शुरू की गई विद्यालय विकास समितियों को और अधिक सक्रिय तथा प्रभावी बनाने का प्रयास किया जायेगा ताकि विद्यालय प्रबंधन को सुदृढ़ किया जा सके। राज्य में महिला शिक्षा को आगे बढ़ाने हेतु उचित कदम उठाए जायेंगे। शिक्षा की नींव मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

डॉ कल्ला ने कहा कि उनके पिछले कार्यकाल में कक्षा 1 से 3 तक अंग्रेजी को अनिवार्य विषय बनाया गया था तथा ये हर्ष का विषय है कि वर्तमान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम से प्रदेश में कई स्थानों पर अंग्रेजी माध्यम के राजकीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं जिनमें समाज के साधारण परिवारों से आने वाले विद्यार्थी भी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा विभाग हिन्दी भाषा के उन्नयन हेतु सभी उचित कदम उठाएगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि उनके पांचवें कार्यकाल में विभिन्न शैक्षणिक नवाचारों के माध्यम से प्रदेश में शिक्षा को आगे बढ़ाने तथा समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के बच्चे को गुणवत्तापुर्ण शिक्षा सुलभ करवाने का कार्य किया जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में जिन रिक्त पदों हेतु परीक्षाएं हो चुकी है उनका परिणाम आने पर शीघ्रता से नियुक्तियां की जायेगी तथा अन्य रिक्त पदों को वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर उचित विश्लेषण उपरान्त भरा जाएगा।

कविता

दीद उसका निग़ाहों में है...

वो मेरे पास नहीं, ना ही वो मेरी बाँहो में है।
चेहरा उसका, मेरी यादों की पनाहों में है।।
जारी है तलाश उसकी, वो आहों में है।
मेरी आरज़ू वही, दीद उसका निग़ाहों में है।।
मिलकर ना मिले,चाहत में राहत है कहाँ।
वफ़ा से ख़फ़ा नज़र, मुड़ी अन्य राहों में है।।
उसकी घट रही चाहत, बदल रहे है अंदाज़।
समझ रही हूँ, क्या उसके इशारों में है।।
रिश्ते को लगाकर दाँव, ढूँढा जा रहा है ठाँव।
बह रहा किस बहाव में, कौनसी फिराक़ों में है
लफ्ज़ों में हो रही कंजूसी, फैल रही है मायूसी।
दीदार से निभाने की, मेरी वफ़ा मिसालों में है।
पल-पल जो मेरे ख़्वाबों में, करता चहल पहल
टहलकर आयेगा 'सीमा' अपने नेक इरादो में है।

सीमा लोहिया
झुंझुनू(राजस्थान)

डॉ आशुतोष पंत इंडियन ऑयल के स्वतंत्र निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में अपॉइंटमेंट कमिटी ऑफ कैबिनेट ने हाल ही में डॉ. आशुतोष पंत का नाम पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत भारत की सबसे बड़ महारत्न कम्पनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के लिए अनुमोदित किया था। इंडियन ऑयल के बोर्ड ने सर्वसम्मति से जयपुर के डॉ. पंत की नियुक्ति को सहमति प्रदान की। इनका कार्यकाल तीन वर्ष का रहेगा। इंडियन ऑयल विश्व की चुनिंदा फार्च्यून 500 कंपनियों में से उच्चतम रैंक की भारतीय ऊर्जा कंपनी है वहीं डॉ आशुतोष पंत देश में कौशल विकास विशेषज्ञ , कॉरपोरेट ट्रेनर और शिक्षाविद के नाते जाने जाते हैं।

जन रामायण अखण्ड काव्यर्चना का बनेगा विश्व रिकॉर्ड

जयपुर। आगामी 5-6 दिसम्बर को विश्व कीर्तिमान स्थापित होने जा रहा है जिसमें जन रामायण अखंड काव्यार्चन 26 घंटे का अनवरत चलने वाला काव्यपाठ होगा जिसमे दुनिया भर के 200 से अधिक सुप्रसिद्ध रचनाकार राम और रामायण से जुडी मौलिक कविताओं का पाठ करेंगे।

कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन होगा जो 5 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से प्रारंभ होकर 6 दिसम्बर को सुबह 10 बजे सम्पन्न होगा। इस अखंड काव्यपाठ का उद्घाटन प्रख्यात गीतकार डॉ बुद्धिनाथ मिश्र जी महर्षि वाल्मीकि के आश्रम से करेंगे। कार्यक्रम का संचालन 26 सुप्रसिद्ध एंकर करेंगे। कवि बेबाक जौनपुरी, कवि अजय अंज़ाम, डॉ शोभा त्रिपाठी समेत कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के साहित्यकार -कलाकार अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम का सीधा प्रसारण साहित्योदय चैनल के माध्यम से पूरे विश्व में होगा। भगवान श्रीराम पर मौलिक काव्यपाठ का पूरे विश्व में यह पहला और अनूठा आयोजन हो रहा है। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय साहित्य कला संस्कृति न्यास साहित्योदय के बैनर तले होगा। साहित्योदय के संस्थापक सह अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कवि पंकज प्रियम ने बताया कि अयोजन के पीछे एक महत्वपूर्ण उद्द्येश्य है की जन -जन तक भगवान श्री राम के आदर्शों की स्थापना करना है और लोगों में उनके प्रति जनजागरण लाना है। इसी के निमित जन रामायण नामक एक अंतरराष्ट्रीय साझा महाग्रंथ का भी प्रकाशन किया जा रहा है जिसमें दुनिया के 111 रचनाकार रामायण के अलग -अलग प्रसंगो पर मौलिक सृजन कर रहे हैं। इस अनूठे महाग्रंथ का लोकार्पण अयोध्या में किया जाएगा। गौरतलब है कि साहित्योदय पिछले 3 वर्षों से साहित्य, कला, संस्कृति और समाज के लिए लगातार कार्य कर रहा है। सिर्फ कोरोनाकाल के इन डेढ़ वर्षों में दो हजार से अधिक लोगों की प्रस्तुति हो चुकी है। साहित्योदय के सौ से अधिक देशों के लाखों चहेते हैं। दो दर्जन से अधिक देश और सभी प्रांतों में शाखाएँ कार्यरत है। इस आयोजन को सफल बनाने में तृप्ति मिश्रा, नंदिता माजी, प्रिया शुक्ला, डॉ रजनी शर्मा चन्दा, गोविंद गुप्ता, डॉ मधुकर राव लरोकर, डॉ श्वेता सिन्हा, संजय करुणेश, सुरेंद्र उपाध्याय, मुकेश बिस्सा, योगिता त्यागी ख़लीफ़ा सहित कई लोग लगे हैं।

सपना चन्द्रा
कहलगाँव भागलपुर बिहार

अधूरा इश्क़

लघु कथा

विभा की विवाह की तैयारियाँ शुरु हो चुकी थी,सभी अपने में मग्न जैसे समय ही कम पड़ रहा हो..

विभा चलो तुम भी पसंद कर लो कुछ अपने मन की....ज़ेवर लेकर सेठ का नौकर आया है।

देखो भाभियां लगी हुई हैं .....अपने लिए पसंद करने में...जाओ तुम भी ले लो। नहीं भैया! आप सब की पसंद ही मेरे लिए काफी है। वैसे भी मेरी पसंद का क्या मोल है।

जिससे आपकी प्रतिष्ठा बढ़े वही पसंद होनी चाहिए। जो आप सब ने मेरे लिए अब तक किया है।

क्यूं इतना मायूस होकर बात करती हो-हम तुम्हारे दुश्मन तो नही?

इस बार विभा की बातों से उसके दिल का दर्द छलक उठा था। क्या कमी थी भैया मोहित में, पढ़ा-लिखा, स्मार्ट, लंबा कद और तो और वो एमएनसी कंपनी में मैनेजर पद पर कार्यरत था। वो सिर्फ इसलिए इस घर का सदस्य नही बन सकता कि अनाथ है अनाथालय ही उसका घर था। इसमें उन बच्चों का क्या दोष होता है जो अनाथालय में पलते है। इतना संस्कारवान कि कभी सर उठाकर भी बात नही की आप सब से।

हमारे घर उसका आना-जाना आज का तो नहीं, कभी उसने ऐसी वैसी हरकत नहीं की। हमेशा इज्जत से पेश आता था।

उसकी यही बात मुझे बेहद पसंद थी, आजकल के लड़कों से बिल्कुल अलग। आप लोगों ने मुझे खुली हवा में सांस लेने के लिए छोड़ा तो जरुर...पर अपनी मर्जी का कभी करुं ऐसा हो नही पाया।

आज़ाद ख़्यालात होने के बावजूद मैनें कभी फायदा नही उठाया, हमेशा आपका मान-सम्मान मेरे सम्मुख खड़ा रहता।

पहली बार अपनी पसंद की चीज आप सब से चाही लेकिन मैं हार गई अपने विश्वास से। कमी भी आपने ऐसी निकाली मोहित में जिससे मुझे कोई दिक्कत या परेशानी नही थी। वो तो मेरी इतनी इज़्ज़त करता है कि बात भी पूरी तरह नही कर पाता। उसकी इसी सादगी से मुझे प्यार हो गया था।

अब उसे भूलने में ही तेरी भलाई है विभा! शादी -ब्याह भी संजोग से और भाग्य से होता है। अब अपने आप को तैयार रखो शादी का घर है, मेहमानों का आना शुरु हो गया है। शाम को हल्दी की रस्म थी। सहेलियों ने छेड़ा। एकदम गुड़िया सी लग रही है ,कही तुम्हारा दूल्हा गुड्डा तो नहीं! चुहलबाज़ी से बेख़बर विभा, मोहित को ही ढूंढ रही थी। संगीत की धुन में उसकी सिसकियां दब गई। जब घर के स्टाफ से जानकारी मिली कि मोहित वापस चला गया है एक वादा लेकर। कभी नही लौटेगा न इस शहर में न किसी की ज़िंदगी में। शादी संपन्न हो रही थी। दुल्हन बनी गुड़िया कठपुतली सी नाच रही थी। उसे मनाही थी रोने की पर अधूरे इश्क़ का बांध जब टूटता है तो कहां सीमाएं देखता है।

व्यक्तित्व विकास

महानता की अन्तर्निहित शक्तिः विनम्रता व सदाशयता

समाजिकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमना शुरु करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सद्गुण है जो उसे हर मुसीबत से विजयी होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊंचाइयों पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊंचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी स्वप्न देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज़्यादा से ज़्यादा होने लगता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा ,सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सद्गुण का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है,या यह कहना चाहिए कि विनम्रता, संयम, सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूप मंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति अधजल गगरी छलकत जाए' की भांति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह ना आधा रह पाता है ना ही पूरा हो पाता है। क्योंकि बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सुकरात ज्ञानी होकर भी कहते थे कि मैं अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं, इस संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्ति कही है-

'बड़ा भया तो क्या भया जैसे पेड़ खजूर,
पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर'

यदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए क्योंकि बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है। फल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्धि पाने पर व्यक्ति को विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता, सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अहंकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, क्योंकि अहंकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोक्ति लगभग शून्य होती है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में स्वतः निखार आने लगता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम राष्ट्रपति होने के बाद भी विद्यार्थियों के संपर्क में रहकर उनसे संवाद करते थे जो उनकी महानता को सदैव पुनीत करता रहा और उसी विनम्रता सहृदयता के कारण उन्हें भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी किया गया। ज्ञान का पिपासु व्यक्ति केवल सूचनाओं का भंडारण नहीं करता बल्कि वह उन्हें विनयशील भी बनाने का प्रयास करता है और यही विनम्रता विशाल हृदयता व्यक्ति को जीवन पथ पर अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करती है। विनम्रता से ही व्यक्ति पात्रता ग्रहण करता है और विनम्रता ही व्यक्ति को सामाजिक व्यवस्था में महान बनाती है ताकि उसका जीवन लोकहित में समर्पित रहे। विनम्रता व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक पहलू है। यदि नेतृत्वकर्ता विनम्र हो उसके नेतृत्व को जनता स्वीकार करती है तो उससे अच्छा एवं समर्थ नायक राष्ट्र में नहीं पैदा हो सकता है। विनम्र शील व्यक्ति जनता के विचारों को आत्मसात कर अपने आप को परिपक्व बनाता है तथा अपने नेतृत्व को एक सही दिशा देने का कार्य करता है। विनम्रता का सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी थे राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता रूपी एक लक्ष्य को प्राप्ति के लिए चुना था और अहिंसा महात्मा गांधी के दो आभूषण की तरह थे जो विनम्रता को और भी मजबूत करते थे। यही कारण है कि हमने उनके नेतृत्व में स्वतंत्रता प्राप्त की थी। विनम्र व्यक्ति सदा सुखी एवं संतुष्ट रहता है क्योंकि उसकी ना तो महत्वाकांक्षा होती है, ना प्रतिस्पर्धा,ना द्वेष ईष्या ना लोभ ही होता है। सभी सद्गुणों से संपन्न व्यक्ति न सिर्फ अपने लिए बल्कि समाज के लिए भी बहुत उपयोगी होता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में एक बड़ा ही अनुकरणीय प्रसंग है कि जब वह ज्ञान प्राप्ति के लिए देशाटन में इधर-उधर वितरण कर रहे थे, तब लोगों ने उन पर पत्थर बरसाए उन्हें गालियां दी एवं उनको प्रताड़ित भी किया किंतु महात्मा बुद्ध इससे बिना विचलित हुए अपने कार्य तथा साधना की ओर अग्रसर होते हुए उन्होंने अंततः मां निर्वाण प्राप्त किया। और उनका ज्ञान का भंडार आज भी करोड़ों लोगों के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है। विनम्रता और सदाशयता वह महान गुण है एवं क्षमता है जो किसी भी व्यक्ति या समाज का हृदय परिवर्तन कर सकती है।

> विनम्रता, सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अहंकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, क्योंकि अहंकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोक्ति लगभग शून्य होती है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है। विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में स्वतः निखार आने लगता है।

संजीव ठाकुर, चिंतक, लेखक
रायपुर, छ.ग.

कौंधते विचार

आत्म चिंतन

कभी कभी मन बहुत उदास होता है, मन करता है कि जी भर कर रोएं, लिखते-लिखते आंखों में पानी बह रहा है। आख़िर क्यों हम किसी के सही बात न करने या सही तरीके से व्यवहार ना करने से इतने दुखी हो जाते हैं तरह-तरह के विचार आने लगते हैं। खासतौर पर नाकारात्मक विचार आते हैं। बहुत तकलीफ़ होती है दिल में कि आखिर क्यों हुआ?

ऐसा क्या था जो इतनी नाराज़गी जताई जा रही है?

एक ही घर में रहते हुए उम्र और रिश्ते का भी लिहाज़ नहीं आख़िर क्यों?

इसी क्यों का जवाब सारी उम्र नहीं मिलता।

रमा भाटी, जयपुर

फिर दिमाग में विचार आता है कि क्यों हम अपने विचारों को लोकल ट्रेन में चढ़ने वाले यात्रियों की तरह अपना रहे हैं जो हर स्टेशन पर रुकती हुई चलती है और हर तरह के यात्री यानी विचार उतरते चढ़ते रहते हैं। ट्रेन में भीड़ रहती है। हमें अपने विचारों को राजधानी एक्सप्रेस के यात्रियों की तरह सोचना होगा। ये ट्रेन ना तो हर स्टेशन पर रूकती है और यात्री भी कम होते हैं सिर्फ वो ही यात्री चढ़ते हैं जिन्हें अपनी मंजिल तक पहुंचना है। यानी कि हमें फालतू के विचार अपने मन में ना लाकर अपने दिमाग को राजधानी ट्रेन कि तरह बनाना है जिसमें कम और साफ़ यात्री ही चढ़ते हैं। हम अगर फालतू के विचार अपने दिमाग में ना आने दें और अच्छे विचारों को अपने मन में रखें तो बेहतर होगा और जीना भी आसान होगा।

इस सोच के साथ ही मेरे मन में कुछ हद तक उदासी खत्म हुई ये सोच कर कि हम दूसरो की सोच को तो ठीक नहीं कर सकते लेकिन अपने विचारों को सही रखते हुए मन में मैल ना आने दें और अपने को खुश रखें। ईश्वर ने जो हमें उपहार में अच्छी सूरत और सीरत दी है। उस पर ग़लत विचारों का आवरण ना चढ़ने दें।

शिक्षा मंत्री कल्ला से मिला अभिभावक प्रतिनिधिमंडल

जयपुर, हिलव्यू समाचार। जयपुर में फिर स्कूली बच्चों पर कोरोना का कहर प्रतिदिन बढ़ता दिखाई दे रहा है गत गुरूवार को जयपुर शहर में 6 बच्चे कोरोना संक्रमित आए हैं इनमें 2 ऑनलाइन पढ़ने वाले हैं, इसमें झालाना स्थित एक सरकारी स्कूल के 2 बच्चे और भांकरोटा स्थित निजी स्कूल के दो बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा 2 अन्य बच्चे भी पॉजिटिव मिले हैं, हालांकि वे दोनों ही ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे थे ।

ऐसी स्थितियों के लिए अभिभावक एकता संघ राजस्थान विगत 15 दिनों से लगातार सरकार को, शिक्षा विभाग को एवं निजी स्कूलों को आगाह करता आया है परंतु अब तक किसी भी स्तर पर कोई संवेदनशील निर्णय नहीं लिया जिसका भुगतान मासूम बच्चों और अभिभावकों को भुगतना पड़ रहा है. अभिभावक एकता संघ राजस्थान के प्रदेश संयोजक मनीष विजयवर्गीय ने बताया कि वे स्वयं एवं कोऑर्डिनेटर हरिओम सिंह चौधरी, मनीष मालू, शंकर अग्रवाल एवं विकास अग्रवाल ने इस संबंध में शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला को ज्ञापन दे मांग की है कि पूरे प्रदेश के स्कूलों में तुरंत ऑनलाइन कक्षाएं जारी करने का सरकार निर्देश दें।

कोविड-19 में प्रभावित शिक्षण व्यवस्था पर राष्ट्रीय स्तर पर चिंतन आवश्यक

किशन सनमुखदास भावनानी
संकलनकर्ता एवं करविशेषज्ञ
एडवोकेट गोंदिया महाराष्ट्र

भारत विश्वबैंक और आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा 50 लाख से अधिक छात्रों के शिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए यह ऋण समझौते का संज्ञानः सभी राज्यों द्वारा आवश्यकतानुसार लेने पर विचार किया जाना चाहिए।

कोविड-19 महामारी से प्रभावित बच्चों को हुई शिक्षण हानि से निपटने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करना बेहद ज़रूरी है। भारत और विश्वबैंक द्वारा आंध्र प्रदेश में पचास लाख़ से अधिक छात्रों के शिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए ऋण समझौते का संज्ञान सभी राज्यों द्वारा लेने पर विचार होना चाहिए।

इस महामारी ने पूरे विश्व सहित भारत में भी हर क्षेत्र के साथ-साथ शिक्षण क्षेत्र में भी भारी नुकसान पहुंचाया है। जिसके कारण अभी भी छोटे बच्चों के स्कूल कई राज्यों में बंद हैं तथा उन्हें ऑनलाइन शिक्षण दिया जा रहा है जिससे बच्चों और उनके अभिभावकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि अनेक बच्चों के पास मोबाइल नहीं है अगर है भी तो सादी है व्हाट्सएप वाली नहीं है। कभी नेटवर्क का प्रॉब्लम कभी रिचार्ज का प्रॉब्लम कभी स्कूल फ़ीस का प्रॉब्लम हो जाने से बच्चों को जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलना चाहिए उसमें कहीं ना कहीं अधूरेपन का भाव दिख रहा है जिसका ख़ामियाज़ा हमें भविष्य में भुगतना पड़ सकता है क्योंकि यह बच्चे ही हमारे देश का भविष्य हैं। बात अगर हम निजी और सरकारी स्कूलों की करें तो हम खुद संज्ञान लेकर देख सकते हैं कि निजी और सरकारी स्कूलों की शिक्षा गुणवत्ता क्या है यह बात किसी से छिपी नहीं है। ऊपर से कोविड-19 महामारी का गतिरोध है। इसलिए बच्चों की बुनियादी शिक्षा पर सरकारों को ध्यान केंद्रित करते हुए सरकारी स्कूलों को जीवंत संस्थानों में परिवर्तन करना अब समय की मांग है। जिसके लिए रणनीतिक रोडमैप बनाना ज़रूरी है। दिनांक 23 नवंबर 2021 को भारत और विश्वबैंक तथा आंध्रप्रदेश के पांच लाख़ से अधिक छात्रों के शिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए ऋण समझौते से प्रेरित होकर सभी कोविड तथा शिक्षण बाधा से पीड़ित सभी राज्यों द्वारा इस प्रकार के समझौते का संज्ञान लेकर आवश्यकता अनुसार विचार किया जा सकता है। आंध्रप्रदेश राज्य ने एक नया योग्यता - आधारित शिक्षण दृष्टिकोण अपनाया है। इस परियोजना से कक्षा-आधारित परामर्श, सभी ग्रेड और विषयों के शिक्षकों के लिए जरूरतआधारित शिक्षकप्रशिक्षण व्यक्तिगत अनुकूली शिक्षण (पीएएल) विधियों और मानकीकृत स्कूल-आधारित आकलन से जुड़ी उपचारात्मक शिक्षा के अन्य रूपों के माध्यम से शिक्षण प्रक्रियाओं में सुधार आएगा। भारत सरकार, आंध्र प्रदेश सरकार और विश्व बैंक ने 18 नवम्बर, 2021 को एक परियोजना के बारे में 250 मिलियन डॉलर के कानूनी समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना का उद्देश्य आंध्र प्रदेश राज्य में 50 लाख सेअधिक छात्रों की शिक्षण गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। इस परियोजना से स्कूली शिक्षा के सभी ग्रेड और चरणों के छात्रों को लाभ होगा। इस योजना से 45, हज़ार से अधिक सरकारी स्कूलों के लगभग 40 लाख छात्र (छह और चौदह वर्ष की आयु के बीच), और आंगनबाड़ियों (एकीकृत बाल विकास केन्द्रों) में नामांकित 10 लाख से अधिक बच्चे (तीन और छह वर्ष की आयु के बीच) तथा लगभग एक लाख नबे हज़ार शिक्षक और 50 हज़ार से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लाभान्वित होंगे।सपोर्टिंग आंध्राज लर्निंग ट्रांसफॉर्मेशन प्रोजेक्ट से शिक्षकों का पेशेवर विकास प्रोत्साहित होगा और इससे कोविड-19 महामारी से प्रभावित बच्चों के लिए उपचारात्मक शिक्षण पाठ्यक्रम उपलब्ध होगा, इसके अलावा विशेष ज़रूरत वाले बच्चों, अनुसूचित जनजातियों और लड़कियों सहित सीमांत समूहों के छात्रों पर विशेष ध्यान देने में मदद मिलेगी। इन सेवाओं को प्रदान करने के लिए स्कूलों की संस्थागत क्षमता का विकास करना समुदाय के विश्वास के निर्माण और शिक्षण के माहौल में सुधार करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। यह परियोजना स्कूल सुविधाओं के बेहतर रखरखाव, स्कूल प्रबंधन और निगरानी में माता-पिता की भागीदारी में सहायता प्रदान करने, डेटा उपलब्ध कराने और स्कूल की सुरक्षा बढ़ाने में भी योगदान देगी। चल रही कोविड-19 महामारी के कारण, छात्रों के लिए घर में शिक्षा ग्रहण करने के अवसर प्रदान करना राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल हैं। छात्रों में डिजिटल उपकरणों की कम उपलब्धता को देखते हुए, टेलीविजन और रेडियो प्रसारण के लिए भौतिक शिक्षण किट और विषय सामग्री विकसित करने पर भी ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इससे मौजूदा महामारी, भविष्य की प्राकृतिक आपदाओं या जलवायु परिवर्तन से संबंधित अन्य व्यवधानों से स्कूल बंद होने के कारण बच्चों की होने वाले शिक्षण हानि को भी कम करने में मदद मिलेगी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और प्रारंभिक ग्रेड (ग्रेड 1 और 2) शिक्षकों के लिए अल्पकालिक सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और इन केन्द्रों और स्कूलों में शिक्षण के लिए उपयुक्त शिक्षण सामग्री (टीएलएम) की आपूर्ति के माध्यम से बुनियादी शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इससे बुनियादी शिक्षा पर इस तरह ध्यान देने से बच्चों को भविष्य के श्रम बाजारों के लिए आवश्यक संज्ञानात्मक सामाजिक-व्यवहार और भाषा कौशल के साथ तैयार करने के बारे में स्कूलों के कार्य में सुधार आएगा। यह परियोजना जनजातीय ब्लॉकों के 3,500 स्कूलों में एक वर्षीय प्री-स्कूल स्तर का पाठ्यक्रम शुरू करेगी, जिससे जनजातीय समुदाय के बच्चों के सीखने के कम स्तर के मुद्दे को हल करने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करना भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास का केन्द्र है। यह परियोजना आंध्र प्रदेश राज्य के कोविड-19 महामारी से प्रभावित बच्चों को हुई शिक्षण हानि से निपटने सहित बच्चों की बुनियादी शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करते हुए सरकारी स्कूलों को जीवंत संस्थानों में परिवर्तित करने के विजन को पूरा करने में भी मदद करेगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि कोविड-19 महामारी से प्रभावित बच्चों को हुई शिक्षण हानि से निपटने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सर्वभौमिक पहुंच प्रदान करना ज़रूरी है।

> आंध्रप्रदेश राज्य ने एक नया योग्यता-आधारित शिक्षण दृष्टिकोण अपनाया है। इस परियोजना से कक्षा-आधारित परामर्श, सभी ग्रेड और विषयों के शिक्षकों के लिए जरूरतआधारित शिक्षकप्रशिक्षण व्यक्तिगत अनुकूली शिक्षण (पीएएल) विधियों और मानकीकृत स्कूल-आधारित आकलन से जुड़ी उपचारात्मक शिक्षा के अन्य रूपों के माध्यम से शिक्षण प्रक्रियाओं में सुधार आएगा। भारत सरकार, आंध्र प्रदेश सरकार और विश्व बैंक ने 18 नवम्बर, 2021 को एक परियोजना के बारे में 250 मिलियन डॉलर के कानूनी समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना का उद्देश्य आंध्र प्रदेश राज्य में 50 लाख सेअधिक छात्रों की शिक्षण गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। इस परियोजना से स्कूली शिक्षा के सभी ग्रेड और चरणों के छात्रों को लाभ होगा।

वेडिंग ड्रेसेस के साथ कैरी करें जैकेट्स

जैकेट सर्दियों का सबसे पसंदीदा परिधान है, जिसे आप हर ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं. हालांकि, कई महिलाएं जैकेट को सिर्फ जींस या टॉप के साथ पहनना ज्यादा पसंद करती हैं. लेकिन आप जैकेट को ट्रेडिशनल ड्रेस पर भी आसानी से कैरी कर सकती हैं. अगर आप किसी फैमिली फंक्शन या पार्टी में ट्रेडिशनल ड्रेस यानि साड़ी, गाउन, प्लाजो सूट आदि पहन रही हैं तो आप इन ड्रेस के साथ अलग-अलग तरह की जैकेट पहन सकती हैं.

बॉम्बर जैकेट

अगर आप सूट पहनने की शौकीन हैं तो आप बॉम्बर जैकेट के साथ प्लाजो का सूट कैरी कर सकती हैं. हालांकि, कई महिलाएं बॉम्बर्स जैकेट को टी-शर्ट-जींस के साथ पहनती हैं लेकिन आप इसे प्लाजो सूट के साथ भी पहन सकती हैं. इससे आपको न सिर्फ एक डैपर लुक मिलेगा, बल्कि यह विंटर्स में आपको गर्म रखने के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिखाती है. बाजारों में आपको बॉम्बर जैकेट की कई वेरायटी जैसे सिंथेटिक, लेदर, पॉलीकॉटन आदि आसानी से मिल जाएंगी. आप अपनी पसंद के हिसाब से साथ बॉम्बर जैकेट को स्टाइल कर सकती हैं.

डेनिम जैकेट

डेनिम जैकेट एक ऐसी जैकेट है, जिसे आप किसी भी ड्रेस के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं. आप डेनिम जैकेट को न सिर्फ जीन्स के साथ पहन सकती हैं, बल्कि ट्रेडिशनल ड्रेसेस के साथ भी कैरी कर सकती हैं. अगर आप ट्रेडिशनल ड्रेस में कोई सूट कैरी कर रही हैं तो उसके साथ भी डेनिम की जैकेट पहन सकती हैं. बाजार में आपको डेनिम जैकेट की कई वेरायटी मिल जाएंगी. आप अपनी ड्रेस के हिसाब से डेनिम जैकेट खरीद सकती हैं.

शॉर्ट जैकेट

अगर आपके पास शॉर्ट जैकेट है तो आप इसे लहंगे के साथ पहन सकती हैं. क्योंकि लहंगा एक ऐसा परिधान है, जिसे आप वेडिंग से लेकर पार्टी तक में आसानी से कैरी कर सकती हैं. बहुत-सी महिलाओं को सिंपल लहंगे के साथ मल्टी कलर का ब्लाउज पसंद होता है. लेकिन आप इसे अलग तरीके से स्टाइल कर सकती हैं. आप लहंगे के साथ डिजाइनर शॉर्ट जैकेट पहन सकती हैं. इसके अलावा, आप जैकेट को कोटी की तरह भी कैरी कर सकती हैं.

लेदर जैकेट

लेदर जैकेट में महिलाएं इतनी सुंदर लगती हैं कि हर किसी का ध्यान उनकी ओर जाता है. वैसे तो महिलाएं लेदर जैकेट टॉप और जीन्स के साथ पहनना पसंद करती हैं लेकिन आप इसे ट्रेडिशनल ड्रेस के साथ भी कैरी कर सकती हैं. आजकल साड़ी के साथ लेदर जैकेट पहनने का काफी ट्रेंड है. ज्यादातर महिलाएं साड़ी के साथ लेदर की जैकेट पहनने लगी हैं, क्योंकि यह जैकेट न सिर्फ आपको एक स्टाइलिश लुक देगी, बल्कि आपको ठंड से भी बचाएगी.

पार्टनर को फील कराएं गुड

कभी-कभी उदासी की कोई वजह नहीं होती. मन कभी यूं ही उदास हो जाता है. ऐसे में अगर आप रिलेशनशिप में हैं तो आपको पार्टनर की उदासी को सीरियसली लेना चाहिए. बेशक आपके पार्टनर की उदासी की कोई खास वजह नहीं है, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि आपका पार्टनर खुश न हो सके. आप कुछ टिप्स फॉलो करके पार्टनर को फील गुड करा सकते हैं.

हल्की-फुल्की बातें करें

बेशक आपका पार्टनर किसी भी बारे में बात नहीं करना चाहता लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि चुप्पी ही साध ली जाए. आप कोई हंसी-मजाक या हल्की-फुल्की बातें कर सकते हैं.

पार्टनर को कोई गिफ्ट दें

गिफ्ट लेकर शायद उनकी उदासी पूरी तरह दूर न हो लेकिन फिर भी उनके चेहरे पर मुस्कान तो आ ही जाएगी, इसलिए कोशिश करते रहें. पार्टनर को उनकी पसंद की कोई चीज गिफ्ट करें.

कहीं बाहर ले जाएं

बाहर घूमने-फिरने से मूड फ्रेश हो जाता है. ऐसे में पार्टनर को किसी लोकल मार्केट, रेस्टोरेंट या ट्रिप पर घुमाने भी ले जा सकते हैं. पार्टनर को उनकी किसी पसंद की जगह ले जाएं.

डिनर डेट

डिनर डेट का मतलब हमेशा बाहर जाना नहीं होता. आपको अगर कुकिंग आती है तो आप घर पर भी खाना बना सकते हैं. घर को डेकोरेट करके पार्टनर को सरप्राइज दें. आपको अगर खाना बनाना नहीं आता तो बाहर से कुछ ऑर्डर करके भी घर को डेकोरेट कर सकते हैं.

पार्टनर के साथ कॉमेडी मूवी देखें

आपकी पार्टनर की पसंद की कोई कार्टून या कॉमेडी मूवी देखें. आप चाहें तो यूट्यूब पर कोई पुराना शो भी देख सकते हैं. ऐसा करने से आपके पार्टनर को लाइट फील होगा.

एक्ट्रेसेस से इंस्पायर्ड मेकअप टिप्स

वेडिंग का सीजन चल रहा है. ऐसे में लड़कियां अपने लुक्स को लेकर काफी ज्यादा चिंतित हैं. महिलाएं अक्सर एक्ट्रेसेस के लुक से काफी इंस्पायर होती हैं और उन्हीं के जैसा लुक पाने की कोशिश में लगी रहती हैं. आपको हम कुछ ऐसे ही मेकअप टिप्स के बारे में बताने वाले हैं जिन्हें एक्ट्रेसेस भी फॉलो करती हैं.

रेड लिप्स

बिना लिपस्टिक के मेकअप अधूरा है, ऐसे में बात हो अगर रेड लिपस्टिक की तो ये कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होगी. अगर आप एक्ट्रेस जैसा रेड लिप्स मेकअप लुक चाहती हैं तो आपको अपने ओवरऑल फेस पर बहुत कम मेकअप करना होगा. इसे लगाने से पहले अपने लिप्स को अच्छे से स्क्रब करें, फिर मॉइश्चराइज करें. फिर सबसे पहले लाल रंग के लिप लाइनर से आउटलाइन करें. फिर लाल रंग के लिपस्टिक को अप्लाई करें.

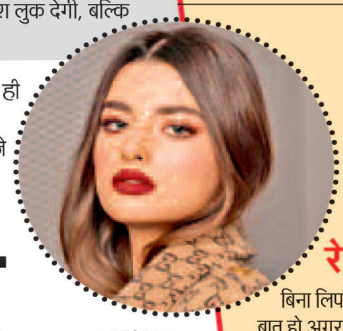

पिंक लुक

ठंड के इस मौसम में गालों को नेचुरल पिंक लुक देकर तैयार होना यकीनन काफी अच्छा लगता है. अगर आपके घर में जल्द शादी होने वाली है तो आप पिंक लुक को क्रिएट कर सकते हैं. इसके लिए आप आंखों पर ग्लिटरी पिंक और लिप्स पर अपने न्यूड गुलाबी रंग की लिपस्टिक लगा सकती हैं.

ग्लास स्किन मेकअप

इन दिनों भारत में हर कोई कोरियन स्किन से लेकर कोरियन मेकअप का दीवाना हो गया है. अगर आप भी उन्ही लोगों में से हैं जो कोरियन ग्लास स्किन मेकअप चाहते हैं तो आपको हाईलाइटर प्राइमर से मेकअप की शुरुआत करनी चाहिए. इस लुक के लिए फाउंडेशन और कंसीलर को काफी कम रखें. फिर सॉफ्ट ब्लश और न्यूड लिप्स करें और खूब सारा हाइलाइटर लगाएं. इसे अपर चीकबोन्स, माथे के सेंटर में, नाक की टिप पर व चिन पर लगाएं. आप इसे अपने शोल्डर व नेक बोन्स पर भी लगा सकती हैं.

घर दिखे बड़ा और व्यवस्थित

जरूरत पड़ने पर जब किसी चीज को ढूंढो तो वो जल्दी मिलती ही नहीं. ऐसे में उसी दौरान ऐसा मन तो बना लेते हैं कि आज ही बेकार की चीजों को हटाएंगे लेकिन एक बार सामान मिल जाने पर अपना ये इरादा बदल देते हैं, जिससे घर और अलमारी में बहुत सारी अनावश्यक चीजें इकट्ठा होती रहती हैं.

मौसम के अनुसार सामान समेटें

घर के सामानों में कुछ ऐसा सामान भी होता है जिनकी जरूरत सिर्फ होली-दिवाली पर ही होती है, जैसे- बच्चों की पिचकारी और रंग, दिवाली पर लगाई जाने वाली लाइट्स, कूलर में पानी भरने वाली पाइप, बच्चों के मानसून में पहने जाने वाले रेनकोट, छाता आदि. इस सामान की आवश्यकता एक साल के अंतराल में पड़ती है. ऐसे में उन्हें डिब्बे में रखकर ऊपर स्टिकर चिपकाकर नोट करके एक तय जगह पर रख दें, जिससे जरूरत पड़ने पर फिर से इस्तेमाल किया जा सके.

कमरों का रखरखाव करें सलीके से

अगर बेडरूम छोटे हैं तो पर्दे और बेडशीट हल्के रंगों के इस्तेमाल करें. बच्चों के कमरे में उनकी बुक्स, कपड़ों की अलमारी, शूज और टॉयज रखें, जिससे वे अपना कमरा मैनेज करना प्रारंभ से ही सीख जाएं. शुरू में पैरेंट्स को चाहिए उन्हें वीकेंड पर अपना कमरा मैनेज करना सिखाएं और बाद में उन पर जिम्मेदारी सौंप दें. कमरे से कोई भी चीज हटानी हो तो बच्चों से पूछ लें कि उन्हें जरूरत तो नहीं. बुजुर्गों के कमरे की छंटनी करते समय उनके सेंटीमेंट्स को ध्यान में रखकर छंटनी करें. अगर आपको लगे कि वे कुछ अनावश्यक सामान भी रख रहे हैं तो उन्हें उसके नुकसान समझाएं और विश्वास दिलाएं कि उन्हें आवश्यकता पड़ने पर फिर से लिया जा सकता है.

सामान को दें उचित स्थान

जिस कमरे का सामान हो, उसे उचित जगह पर रखें. रसोई का रसोई में, बेडरूम और ड्राइंगरूम का उनके उचित स्थान पर रखें जिससे ढूंढने में कठिनाई न हो और जब उनकी आवश्यकता हो, उन पर नजर आसानी से पड़ जाए. अगर रसोईघर के कुछ बर्तन पुराने पड़ गए हों या टूट रहे हों तो समय रहते उन्हें बदल दें. कुछ बर्तन दीवारों पर हुक लगाकर भी लटका सकते हैं, जैसे- कुकर के ढक्कन, फ्राइंग पैन, छन्नी आदि.

परिवार में सबको मैनेजमेंट सिखाएं

वैसे तो पढ़ने में अजीब लगता है कि परिवार के सभी लोग मैनेजमेंट सीखें लेकिन समय की यही मांग है. अगर सभी अपने सामान के प्रति जागरूक होंगे तो घर का बैलेंस नहीं बिगड़ेगा और सामान ढूंढने में समय बर्बाद नहीं होगा. बस जरूरत है घर में कुछ नियम बनाने की. बच्चों और पति को समझाएं कि वे अपने शूज और अपने कपड़े यथास्थान रखें.

हर बात पर बहस करता है बच्चा

बच्चों के मन में कई तरह के सवाल होते हैं. कई बार हम बच्चों के सवालों का जवाब बता देते हैं तो कई बार उन्हें इगनोर कर देते हैं. ऐसे में बच्चे मनमानी करने लगते हैं और वह जिद्दी हो जाते हैं. वहीं घर में मौजूद बड़े उनको खूब लाड़-प्यार करते हैं और बच्चों की सारी बात मानते हैं. हर डिमांड पूरी करते हैं. जिसके बाद अंत में बच्चे जिद्दी हो जाते हैं. शुरुआत में ही हम बच्चों की जिद पूरी करते हैं और फिर बच्चों को आदत हो जाती है. वह फिर अपना हर काम जिद से पूरा करवाने लगते हैं. ऐसे में बच्चों में सुधार के लिए कुछ बातें अपनाएं.

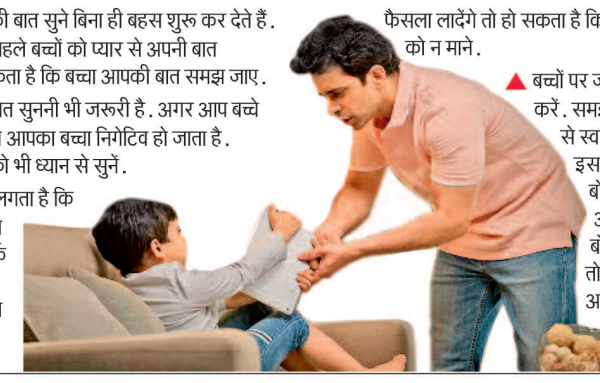

- ▲ कई बच्चे मां-बाप की बात सुने बिना ही बहस शुरू कर देते हैं. ऐसे में बतौर मां-बाप, पहले बच्चों को प्यार से अपनी बात समझाएं. इससे हो सकता है कि बच्चा आपकी बात समझ जाए.
- ▲ आपको बच्चों की बात सुननी भी जरूरी है. अगर आप बच्चे की बात नहीं सुनते हैं तो आपका बच्चा निगेटिव हो जाता है. इसलिए बच्चे की बात को भी ध्यान से सुनें.
- ▲ कई बार बच्चों को लगता है कि वह सही है. ऐसे में आप उन्हें सही-गलत में फर्क बताएं. उन्हें उदाहरण देकर बताएं. अगर आप बच्चे पर हमेशा अपना फैसला लादेंगे तो हो सकता है कि वह आपकी बात को न माने.
- ▲ बच्चों पर ज्यादा गुस्सा न करें. समझने और समझाने से स्वस्थ रिश्ता बनता है, इसलिए बच्चों को भी बोलने का मौका दें. अगर आप उसको बोलने का मौका देंगे तो वह भी आपको अच्छी तरह से सुनेगा.

अगर जा रहे हों डेस्टिनेशन वेडिंग पर...

इन दिनों डेस्टिनेशन वेडिंग काफी ज्यादा चलन में है. पहले ऐसा लगता था कि ये शादियां केवल बहुत अमीर उद्योगपतियों या बॉलीवुड हस्तियों द्वारा की जाती हैं. हालांकि अब ये आम लोगों के लिए भी काफी नॉर्मल हो गया है. नई जगह पर शादी करना, रीति-रिवाजों और परंपराओं को फॉलो करना निश्चित रूप से सभी के लिए एक यादगार पल होगा. डेस्टिनेशन वेडिंग में न केवल दूल्हा और दुल्हन, बल्कि मेहमान भी इसका पूरा आनंद उठाते हैं. ऐसे में अगर आप जल्द ही भारत से दूर डेस्टिनेशन वेडिंग में जा रहे हैं तो आपको कुछ बातों से सावधान रहना चाहिए.

टिकट बुकिंग

डेस्टिनेशन वेडिंग के दौरान इनविटेशन काफी पहले ही भेज दिए जाते हैं. अगर आपको भी इनविटेशन मिला है तो बेहतर होगा कि आप जल्द से जल्द टिकट बुक करा लें. यह आपको किसी भी समस्या का सामना करने से बचाएगा क्योंकि पीक सीजन के दौरान टिकट महंगा हो जाता है. वैसे तो कई ट्रैवल साइट्स पर समय-समय पर ऑफर आते रहते हैं. ऐसे में आप अपनी बुकिंग के साथ आगे बढ़ने से पहले, सभी साइट्स को देखें.

ज़रूरी सामान

शादी की तैयारी करते समय केवल कपड़े-गहने और जूतों के अलावा अपनी फर्स्ट एड किट, चार्जर और बिजली जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान समेत कुछ जरूरी चीजों को ले जाने का ध्यान रखें. वैसे तो आपको डेस्टिनेशन पर काफी सारी चीजें मिल जाएंगी लेकिन आपको अपने लिए कुछ तैयारी करके ले जाना बेहतर है.

मौसम

शादी की खरीदारी शुरू करने से पहले आपको डेस्टिनेशन के मौसम के बारे में जानकारी होनी चाहिए. हर जगह का मौसम अलग होता है. ऐसे में आप अपने लिए तैयारी करके जाएं.

ऑफिस में बॉडी लैंग्वेज मिस्टेक्स

कहते हैं कि आपका एक पॉश्चर हजार शब्दों के बराबर होता है. शायद इसलिए कई बार बिना बोले ही हमारी बॉडी लैंग्वेज काफी कुछ कह जाती है. यह न केवल आपके मन की बात को सामने वाले व्यक्ति तक पहुंचाती है, बल्कि इसका व्यापक प्रभाव आपकी पर्सनैलिटी, रिश्तों यहां तक कि करिअर पर भी पड़ता है. आप ऑफिस में दूसरों के साथ किस तरह पेश आते हैं, इसके साथ-साथ आपकी बॉडी लैंग्वेज का भी सहकर्मियों के साथ रिश्तों पर व्यापक असर पड़ता है.

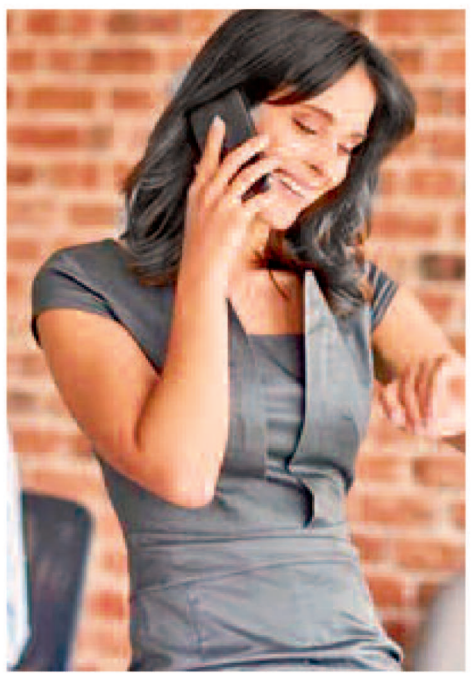

कई बार आपकी बॉडी लैंग्वेज ऐसी होती है, जिसे देखकर सामने वाला व्यक्ति गलत अर्थ ले लेता है और इससे आपकी प्रोफेशनल इमेज भी डैमेज होती है. इतना ही नहीं, इससे आपके करिअर पर भी बुरा असर पड़ सकता है.

बार-बार घड़ी देखना

हो सकता है कि आपको ऑफिस में किसी प्रोजेक्ट पर काम करना हो या फिर आपने अभी तक अपना काम कंप्लीट न किया हो या फिर आपकी कोई मीटिंग हो और ऐसे में अगर आप अपने सहकर्मियों के बीच बैठकर बार-बार घड़ी देख रहे हों. हालांकि, आपको ऐसा करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे कलीग्स को ऐसा लगता है कि आप उनसे बहुत ऊब चुके हैं और वहां से निकलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं. यदि आप वास्तव में जल्दी में हैं और आपका कोई ऑफिस वर्क पेंडिंग है तो बेहतर होगा कि आप अपने कलीग्स को इस बारे में पहले ही बता दें. कुछ वक्त कलीग्स के साथ बिताने के बाद आप एक्सक्यूज मी कहकर उठ सकते हैं. लेकिन सबके बीच में रहकर बार-बार घड़ी न देखें.

बहुत ही करीब जाकर बात करना

यह आदत न केवल आपकी प्रोफेशनल, बल्कि पर्सनल लेवल पर भी इमेज को डैमेज करती है. जब भी आप किसी कलीग्स से बात करें तो कभी भी उसके बेहद करीब जाकर बात न करें. याद रखें कि यह आपका घर नहीं है और आपको अपने सहकर्मियों से एक दोस्ताना व्यवहार रखने के बावजूद भी एक उचित दूरी बनाए रखना बेहद आवश्यक है. बेहद करीब जाने से सामने वाला व्यक्ति आपको लेकर गलत सोच सकता है. इसके अलावा, पास जाकर बहुत धीरे से बात करने या खुसुर-पुसुर करने से अन्य लोग भी आपकी इमेज को गलत समझ सकते हैं.

आई कॉन्टैक्ट के महत्व को न समझना

कई बार ऐसा होता है कि जब हम ऑफिस में दूसरों से बात करते हैं तो इधर-उधर देखते हैं और आई कॉन्टैक्ट नहीं करते हैं. लेकिन ऐसा करने से सामने वाले व्यक्ति को लगता है कि आप उसे निगलेक्ट कर रहे हैं, जिससे आपकी प्रोफेशनल इमेज डैमेज होती है. इसलिए कोशिश करें कि आप जब भी अपने सहकर्मियों या बॉस से बातचीत करें तो आई कॉन्टैक्ट अवश्य करें. हालांकि, यह भी ध्यान रखें कि आपको बातचीत के दौरान आई कान्टैक्ट करना है, सामने वाले व्यक्ति को घूरना नहीं है.

फेशियल एक्सप्रेशन से उदासी झलकना

हम सभी अपनी पर्सनल लाइफ में अप एंड डाउन देखते हैं, लेकिन इसका पता ऑफिस में नहीं चलना चाहिए. अक्सर देखने में आता है कि जब कोई व्यक्ति अपनी पर्सनल लाइफ में मुश्किल दौर से गुजर रहा होता है तो वह ऑफिस में भी अपसेट नजर आता है. उसके फेशियल एक्सप्रेशन में हमेशा एक उदासी या फिर गुस्सा नजर आता है. लेकिन इस तरह के नेगेटिव एक्सप्रेशन वाला चेहरा देखने से आपके आस-पास के लोगों के मन में भी एक नकारात्मक भावना विकसित होती है. इसलिए कोशिश करें कि जब तक आप ऑफिस में हैं तो आपकी पर्सनल लाइफ में क्या चल रहा है, इसका पता आपके बॉस या को-वर्कर्स को नहीं चलना चाहिए.

विंटर में स्टाइलिश श्रग

सर्दियों में हल्की ठंड से बचने के लिए स्टाइलिश और आकर्षक श्रग आपकी मदद भी करते हैं. इसके खूबसूरत कलर आउटफिट को बिलकुल नया लुक देते हैं. फार्मल लुक के लिए पहनी जाने वाली ड्रेसों के साथ चमकीले या मेटेलिक डिजाइन के श्रग पहनकर ड्रेस की खूबसूरती को बढ़ाया जा सकता है. श्रग के साथ एक नया और आकर्षक लुक पाने के लिए ट्रेंडी और नए डिजाइनर श्रग का इस्तेमाल करना चाहिए, इसके लिए नॉट या टाई वाले ट्रेंडी श्रग का प्रयोग कर सकते हैं. यह एक नया स्टाइलिश लुक प्रदान करता है. श्रग एक ऐसा कपड़ा है जो आसानी से पहना और निकाला जा सकता है. अगर आप गर्मी महसूस कर रही हैं तो इसे आसानी से निकाल कर अपने बैग या पर्स में रख सकती हैं.

अलग-अलग डिजाइन

जीन्स श्रग की डिजाइन कुछ इस प्रकार की होती है कि, वे सीने के नीचे हिस्से पर बटन या जिप से जुड़े रहते हैं और ऊपरी हिस्सा खुला हुआ सा होता है. यह आपको माडर्न लुक देता है. कुछ डिजाइनर श्रग्स केवल आस्तीन तक ही होते हैं जो पीठ के हिस्से को कवर करता है. यह देखने में स्वेटर की तरह लगता है.

डेनिम के बेहद खास

श्रग्स की श्रृंखला में डेनिम के श्रग अपने आप में बेहद खास हैं, जिसे स्पेगेटी स्ट्रेप टाप के साथ पहना जा सकता है. कॉटन से बने, हाथ से बुने हुए और लेस के श्रग बहुत नाजुकता के साथ शरीर से चिपके रहते हैं और आउटफिट को और भी खूबसूरत बनाने में आपकी मदद करते हैं. श्रग को विरोधाभासी कपड़ों के साथ पहनकर आप ज्यादा आकर्षक दिख सकती हैं, जैसे लंबे फिट टी शर्ट्स के साथ या मिनी स्कर्ट के साथ श्रग बेहतरीन लगते हैं.

ठंड से बचाते हैं इवनिंग श्रग

छोटे और फिटिंग वाले श्रग ड्रेस को एक अलग और रोचक आभास देने में मदद करते हैं जो देखने में भी अच्छा लगता है. इसे एसेसरीज के साथ मैच करके आप सबके सामने एक प्रभावी रूप से खुद को प्रस्तुत कर सकती हैं. सिल्क के टॉप के साथ ट्वीड श्रग एक अलग सा लुक देता है. कुछ इवनिंग श्रग खूबसूरती बढ़ाने के साथ ही साथ हल्के गरम भी होते हैं और शाम के वक्त ठंड से भी बचाए रखते हैं.

HAIR केयर

गुड़हल से बालों में चमक

गुड़हल के फूल से लेकर उसकी पत्तियां तक बालों के अच्छी सेहत में मददगार होती हैं. यह सुंदर फूल बालों के लिए बेहतरीन होता है और साथ ही यह एक तरह की जड़ी-बूटी है जो पैचेस पर भी बाल आने में मदद करता है, जहां से बिल्कुल गायब हो चुके होते हैं. गुड़हल बालों के विकास में तेजी लाता है. गंजापन रोकता है. रूसी के इलाज में मदद करता है. बालों को डीप-कंडीशन करता है और बालों को समय से पहले सफेद होने से रोकता है.

दही के साथ हेयर मास्क

गुड़हल और दही का मास्क बालों को मजबूत और मुलायम बनाने के साथ ही पोषण देने का काम करता है. इसे बनाने के लिए 1 गुड़हल का फूल, 4-5 गुड़हल की पत्तियां, 4-5 टेबलस्पून दही लें. उसके बाद फूल और पत्तियों को एक साथ पीसकर पेस्ट बना लें. अब उसे दही में डालें और एकसार होने तक मिलाएं. तैयार हेयर मास्क को बालों की जड़ों से लेकर पूरी लंबाई तक अच्छी तरह से लगाएं. 45 से 60 मिनट बाद बाल को हल्के गुनगुने पानी से धो दें. इस हेयर मास्क को आप सप्ताह में 1 से 2 बार लगा सकते हैं.

आंवला भी देगा मजबूती

गुड़हल और आंवला का हेयर मास्क बालों की बढ़ोतरी में मदद करता है और उन्हें मजबूत भी बनाता है. इसे बनाने के लिए 2-3 टेबलस्पून गुड़हल के फूल व पत्तियों का पेस्ट, 5 टेबलस्पून आंवला पाउडर और पानी लें. उसके बाद गुड़हल के फूल व पत्तियों से बना पेस्ट आंवला पाउडर में मिलाएं. अब एक मुलायम कंसिस्टेंसी के लिए उसमें थोड़ा पानी डालें और मिलाएं. तैयार हेयर मास्क को बालों की जड़ों से लेकर पूरी लंबाई तक लगाएं और 45 से 60 मिनट तक छोड़ दें. सौम्य शैम्पू से बालों को धोएं. इसे आप सप्ताह में दो बार लगा सकते हैं.

अदरक से उगेंगे बाल

गुड़हल और अदरक से बना हेयर मास्क बालों को फिर से उगने में मदद करता है. इसके लिए 2-3 टेबलस्पून अदरक का रस, 2-3 टेबलस्पून मसला हुआ गुड़हल का फूल लें. मुलायम पेस्ट बनाने के लिए दोनों सामग्रियों को एक बाउल में लें और एकसार होने तक मिलाएं. अब इस पेस्ट को बालों और उसकी जड़ों में लगाएं. मास्क को 25 मिनट तक लगे रहने दें और फिर धो दें.

INTERIOR जोन

आशियाने को बनाएं आर्टिस्टिक

अपने घर को कला के नमूनों से सजाना एक अच्छा आइडिया है, लेकिन आर्ट पीसेस ढूंढ़ना भी काफी चुनौतीपूर्ण होता है, इसलिए कुछ खास बातों का ध्यान रखना पड़ता है. इसके लिए कला की तलाश में थोड़ा घूमना पड़ता है. आर्ट गैलरीज और म्यूजियम्स में आते-जाते रहें, इससे आपको अंदाजा हो जाएगा कि आपको किस तरह की कला आकर्षित करती है. इसके अलावा आप अपने इलाके में आयोजित होनेवाले आर्ट फेयर्स में भी घूम आया करें. कला प्रदर्शनियों के साथ-साथ आप इंटरनेट पर भी कला के नमूने खोजें, ताकि आपको पता हो कि दुनियाभर में फाइन आर्ट की कितनी वेरायटी मौजूद है.

वह खरीदें, जो आपको पसंद हो

कलाकृतियां खरीदते समय आप यह सोचकर खरीदारी न करें कि अमुक कलाकृति की भविष्य में कीमत बढ़ सकती है. आप व्यापार करने के लिए खरीदारी नहीं कर रही हैं, आप अपने लिए खरीद रही हैं. अतः उन कलाकृतियों को प्राथमिकता दें, जो आपको वाकई पसंद आई हों, जिन्हें देखकर आपको अच्छा महसूस होता हो. ऐसा करके आप अपने बजट को भी नियंत्रण में रख सकती हैं.

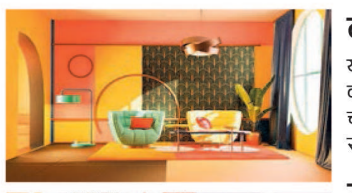

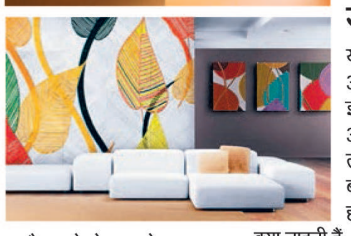

घर के इंटीरियर से मैच कराएं

यदि आप चाहते हैं कि आपके द्वारा खरीदी कलाकृति घर की सजावट में इच्छित प्रभाव पैदा करे तो आपको यह ध्यान देना होगा कि वह कलाकृति आपके घर के इंटीरियर डिजाइन से मैच करती हो. कलाकृति के आकार का भी अपना महत्व है. यदि वह बहुत बड़ी होगी तो सजावट की दूसरी चीजों पर नजर नहीं जाएगी. वहीं कलाकृति बहुत छोटी होने की स्थिति में लोग उसे नोटिस नहीं कर पाएंगे.

कलर का महत्व

यदि आप पेंटिंग ले रहे हों तो यह ध्यान रखें कि उसके रंग, उस कमरे के रंगों से मेल खाते हों, जहां आप पेंटिंग को लगाना चाहते हैं. यदि पेंटिंग में उस कमरे के रंगों में से सबसे बोल्ड रंग का अंश होगा तो बात बन जाएगी.

खास कलाकृति बनवाएं

यदि आपको उस तरह की कलाकृति नहीं मिल पा रही है, जैसा आपने सोच रखा था तो किसी कलाकार से खासतौर पर इच्छित कलाकृति बनवाना बुरा आइडिया नहीं होगा. हालांकि आपको यह ध्यान में रखना चाहिए कि उस कलाकार को इस तरह की कलाकृतियां बनाने का पूर्व अनुभव हो. आप असल में क्या चाहती हैं, उस कलाकार को बता दें, ताकि बाद में अंतिम नतीजा देखकर आपको किसी तरह की निराशा न हो.

MONEY मैटर

जरूरत, लक्ष्य और रिस्क के अनुसार बनाएं

इन्वेस्टमेंट प्लान

निवेश करने से पहले हमें बाजार को अच्छी तरह समझने का प्रयास करना चाहिए. फाइनेंशियल एडवाइजर की मानें तो मुनाफा पाने के लिए अपनी कमाई को इन्वेस्ट करने का सबसे सही तरीका है-पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन. इसका अर्थ यह है कि अपना सारा पैसा कहीं एक स्थान पर लगाने की बजाय कई अलग-अलग स्थानों पर लगाएं.

पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाइड करके हम जोखिम को घटाते हैं. निवेश के बारे में सबसे चर्चित कहावत है- 'लो रिस्क, लो प्रॉफिट, हाई रिस्क, हाई प्रॉफिट'. हर इंसान की अपनी जरूरत, लक्ष्य और जोखिम लेने की क्षमता होती है और उसके अनुसार ही उसे इन्वेस्टमेंट प्लान चुनने चाहिए. हमेशा अपने इनवेस्टमेंट को कुछ इस तरह से प्लान करें कि कैल्कुलेटेड रिस्क पर बेहतर लाभ मिल सके. इस काम में पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन बहुत मदद करता है. जब आप अपने पैसे को अलग-अलग जगहों पर इन्वेस्ट करते हैं, तो सबसे बड़ा लाभ आपको कैपिटल गेन के रूप में मिलता है. जैसे बहुत सारे डेवलपमेंट सेक्टर हैं- बिजनेस सेक्टर, फार्मा सेक्टर, टेक्नोलॉजी और दूसरी कंपनीज जहां रोजमर्रा के प्रोजेक्ट बनते हैं. यहां अपनी कमाई का कुछ हिस्सा इन्वेस्ट करें, क्योंकि यहां ग्रोथ ज्यादा होती है. वहीं दूसरी तरफ कुछ पैसे इक्विटी में डालें और कुछ मिडकैप कंपनी में जहां ग्रोथ कम है, पर वहां पैसा सुरक्षित है. जबकि स्मॉल कैप सेक्टर में ग्रोथ तो तेजी से होती है, लेकिन एक स्तर पर जाकर रुक जाती है. बेहतर यही होगा कि यह काम किसी सर्टिफाइड फायनेंशियल एडवाइजर की सलाह से किया जाए

खेल-खेल में सिखाएं बच्चों को साइंस

आसपास के साइंस सेंटर्स लेकर जाएं

बच्चों के मनोरंजन टाइम को लर्निंग टाइम में तब्दील कर सकते हैं. आपके शहर की उन जगहों की सूची बनाएं, जहां बच्चा विज्ञान समेत दूसरे स्कूली विषयों से जुड़ी प्रैक्टिकल जानकारियां पा सकता है. उदाहरण के लिए यदि आपके शहर में कोई साइंस म्यूजियम हो तो उसे वहां ले जाएं. अगर ऐसी जगह न हो तो भी निराश न होइए, आप उसे चिड़ियाघर, मत्स्यालय (एक्वेरियम) या प्लैनेटेरियम आदि जगहों पर ले जा सकते हैं जहां वे उन चीजों को देख सकते हैं, जिसके बारे में अपनी किताब में पढ़ते हैं. उन्हें देखकर वे उन चीजों को याद रखने का वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करेंगे. आप अपने शहर के ऐतिहासिक संग्रहालय भी ले जा सकते हैं. वहां मानव विकास क्रम से संबंधित प्रदर्शनियां उनका ज्ञानवर्धन करेंगी.

किचन बन सकती है बेसिक लैब

आपके किचन में कई ऐसी चीजें हैं, जो आसान से प्रयोगों में काम आ सकती हैं. आप किचन की चीजों से किए जानेवाले एक्सपेरिमेंट्स से संबंधित कोई बुकलेट खरीद लें. उसके अनुसार छोटे-मोटे प्रयोग करके उन्हें दिखाएं और खुद उन्हें भी ट्राय करने के लिए प्रेरित करें. जैसे- आप बेकिंग सोडा और विनेगर की मदद से वॉल्कैनो (ज्वालामुखी) से संबंधित प्रयोग कर सकते हैं. पानी की भाप को ठंडा करके आप बारिश का मूल सिद्धांत उन्हें स्पष्ट कर सकते हैं. नए और अनयूज्ड चम्मच से आप उन्हें कॉन्केव लेंस और कॉन्वेक्स लेंस से जुड़े प्रयोग सिखा सकते हैं. नॉर्मल स्केल को ट्यूबलाइट की तरफ करके आप उन्हें व्हाइट लाइट के अलग-अलग कलर्स में डिवाइड होनेवाले प्रिंसिपल के बारे में बता सकते हैं.

गिफ्ट करें माइक्रोस्कोप और टेलिस्कोप

विज्ञान का बेस होता है ऑब्जर्वेशन. इस बेस को स्ट्रांग करने के लिए उन्हें माइक्रोस्कोप और टेलिस्कोप जैसे सस्ते गिफ्ट्स दें. इससे वे अपने आसपास की चीजों को देखेंगे. उनके बारे में जानेंगे. वे कीड़ों-मकोड़ों को माइक्रोस्कोप से देखकर काफी कुछ सीख सकेंगे. टेलिस्कोप से रात को आसमान का अध्ययन करेंगे तो उनका मन विज्ञान की ओर सहज रूप से आकर्षित होगा.

जिज्ञासा जगाएं

क्यूरियोसिटी या जिज्ञासा वह चीज है, जो बच्चों को विज्ञान से जोड़ती है. अपने बच्चे को जिज्ञासु बनाएं. यह होगा कैसे? इसके लिए आपको उन्हें सवाल पूछने के लिए प्रेरित करना होगा. उनके बाल मन में आनेवाले सवालों के वैज्ञानिक जवाब देने होंगे. वे आसपास की चीजों के बारे में सवाल पूछ सकते हैं, जैसे- आसमान नीला क्यों है? पेड़ की पत्तियां हरी क्यों हैं? हवा क्यों चलती है? बिजली कैसे कड़कती है? चीजें ऊपर से नीचे ही क्यों आती हैं? जहाज हवा में कैसे उड़ते हैं? नाव पानी में डूबती क्यों नहीं? इस तरह के कई सवाल उनके मन में आ सकते हैं. आपको उन पर चिढ़े बिना, शांति के साथ सवालों के सही जवाब देने होंगे. इन सवालों के जवाब बतानेवाली छोटी-छोटी किताबें लाकर उन्हें देनी होगी. ये छोटे-छोटे प्रयास बच्चे को विज्ञान की ओर आकर्षित करेंगे. वह भले ही आगे चलकर किसी भी विषय को चुनें, पर उसमें कॉमनसेंस डेवलप होगा, उसकी सोच वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली होगी. वह एक तार्किक इंसान बनेगा.

किताबें पढ़ें लेकिन प्रैक्टिकल भी करें

बेशक किताबी पढ़ाई बच्चों के स्कूली पाठ्यक्रम का बहुत जरूरी अंग है, पर उतना ही जरूरी है किताबों और क्लासरूम के बाहर की पढ़ाई. आप अपने बच्चे को सामान्य विज्ञान की पढ़ाई के लिए किताबी दुनिया से दूर रियल वर्ल्ड में ले जा सकते हैं, जैसे बच्चे को घर के आसपास की जैव विविधता से भरी किसी जगह लेकर जाएं. वहां उसका परिचय अलग-अलग तरह के पेड़-पौधों, पक्षियों और कीटकों से कराएं. खुले माहौल में उसे मौसम की जानकारी दें. पौधों द्वारा अपना भोजन बनाने की प्रक्रिया यानी प्रकाश संश्लेषण (फोटो सिंथेसिस) के बारे में बताएं. सूर्योदय और सूर्यास्त के पीछे का विज्ञान बताएं. मौसम और इसमें होनेवाले बदलावों की जानकारी दें. जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर अपनी और बच्चे दोनों की ही जानकारियों को अपडेट करें. जब बच्चों को इन विषयों की बेसिक जानकारी हो जाएगी तो वे स्वभावतः आगे की बातें जानने के लिए प्रेरित होंगे.

कई बच्चों को साइंस सब्जेक्ट कठिन लगता है. कई बार टीचर की कही बातें बच्चों के पल्ले नहीं पड़तीं और उस सब्जेक्ट में उनकी रुचि अपनेआप कम हो जाती है. जबकि ज्यादातर पैरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा विज्ञान की पढ़ाई करे. इसलिए जरूरी है कि बच्चों का रुझान उस ओर बढ़ाया जाए और यह काम बड़े मजेदार तरीके से हो सकता है. आप घर में ही उसे विज्ञान की शुरुआती शिक्षा दे सकते हैं.

हमारे प्यारे वन्य जीवः ब्लैक बक

प्यारे बच्चों को कविता आंट का ढेर सारा प्यार,
बच्चों एक बात बताऊँ आपको !

मेरे बचपन की पहली यादों में एक याद मेरे ग्रैंड फ़ादर के ड्रॉइंग रूम की दीवारों का बारहसिंगा और हिरणों के सिर तथा खालों से सज्जित होना भी है । और मेरी पहली किताबों में शुमार हैं वाइल्ड एनिमल्स की किताबें , जिन्हें मेरे पापा जयपुर से लाया करते थे और मेरे ग्रैंड फ़ादर, जिन्हें मैं बाबाजी कहती थी, मुझे पढ़कर सुनाया करते थे। तब ही मैंने 'फूड-चेन' और एनिमल-हंटिंग', के कॉन्सेप्ट को पहली बार जाना था। 'जीव जीवस्य भोजनम्', अर्थात् एक प्राणी दूसरे प्राणी की भूख मिटाने का साधन है, यहाँ तक तो मैं उस छोटी सी उम्र में बात को समझ गई थी, लेकिन एक इंसान जानवरों का शिकार अपने एम्यूज़मेंट या टेस्ट के लिये करे, ये बात मेरे गले नहीं उतर पा रही थी। मैं इस बात को आज भी सिरे से नकार देती हूँ कि अपनी भूख मिटाने के लिए इंसान जीवों का शिकार करे।

कविता माथुर

इंसानों के लिए समुचित मात्रा में भोजन उपलब्ध होने के बावजूद उसने जानवरों का अंधाधुंध शिकार कर अनेक जातियों को विलुप्त होने के कगार पर ला खड़ा किया। है न कितनी नाइंसाफ़ी बच्चों! जैसे ब्लैकबक को ही देखिये न! एक सर्वे के अनुसार उन्नीस सौ सैंतालिस को इनकी संख्या अस्सी हज़ार के क़रीब थी जो उन्नीस सौ चौंसठ में सिर्फ़ आठ हज़ार रह गई थी। महज़ इसलिए कि इसका मॉस लज़ीज़ होता है।

बॉम्बे नैचरल हिस्ट्री सोसाइटी (BNHS) के डॉ. असद रहमानी ने अपने आलेख में कहा है कि जब हिन्दुस्तान में एशियैटिक-चीते पाये जाते थे, (उन्नीस सौ इक्यावन में अंतिम देखा गया था), तो उनका प्रमुख शिकार ब्लैक बक ही हुआ करता था । एक जमाने में इनकी संख्या इतनी ज़्यादा थी कि एक बार जब मुग़ल बादशाह जहांगीर ने दिल्ली से आगरा का सफ़र किया तो उन्हें रास्ते भर ब्लैक बक ही ब्लैक बक दिखे ।

दरअसल चीता , ब्लैक बक और ग्रेट-इंडियन-बस्टर्ड (GIB) साझा ग्रासलैंड्स (एरिड या सेमी-एरिड रीजन्स) में ही रहा करते थे । ख़ासकर जहाँ ब्लैक बक पाया गया, वहाँ GIB के निशान ज़रूर मिले। सिर्फ़ थार रेगिस्तान ब्लैक बक के लिए मुनाफ़िक नहीं था क्योंकि इन्हें रोज पानी की ज़रूरत होती है। जबकि GIB महाशय, जो कि राजस्थान के स्टेट-बर्ड भी हैं, तो फ़ैकल्टिटिव-ड्रिंकर हैं; पानी मिले तो ठीक, न मिले तो कई दिन बिन पानी गुज़ार लेंगे। मगर अफ़सोस के साथ कहना पड़ रहा है बच्चों, कि ग्रेट इंडियन बस्टर्ड पक्षी भी इंसानों की लापरवाही द्वारा ख़त्म कर दिये गये हैं (2021 के सर्वे में डेज़र्ट-नैशनल-पार्क, जैसलमेर में इनका नंबर कुल 150 पाया गया है)।

मेकअप प्रोडक्ट्स की उम्र बढ़ाने के लिए कुछ स्मार्ट आइडियाज का इस्तेमाल करें

टिक टैक

स्पंज नहीं, ब्रश यूज करें

मेकअप प्रोडक्ट्स की बढ़ेगी उम्र

फाउंडेशन, ब्लशऑन जैसे मेकअप प्रोडक्ट्स लगाने के लिए स्पंज के बजाय ब्रश का इस्तेमाल करें. स्पंज इस्तेमाल करने पर वह मेकअप को सोख लेता है, जिसे यूज नहीं किया जा सकता, जबकि ब्रश बालों से बनाया जाता है, इसलिए वह मेकअप को सोख नहीं पाता, जिससे आप पूरी तरह से प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर पाती हैं.

पैक इस्तेमाल के वक्त ही खोलें

अगर आप किसी खास मौके पर लगाने के लिए लिपस्टिक, आईलाइनर या कोई अन्य मेकअप प्रोडक्ट एडवांस में ले रही हैं तो खरीदने के तुरंत बाद उसके पैक को खोलने के बजाय उसी दिन खोलें, जिस दिन आप उसे इस्तेमाल करने वाली हैं. इससे मेकअप प्रोडक्ट की उम्र बढ़ सकती है.

गरम पानी में भिगो दें

मस्कारा, लिपग्लॉस, लिक्विड लिपस्टिक, लिक्विड आईलाइनर जैसे मेकअप प्रोडक्टस अगर एक्सपायरी डेट से पहले सूख जाएं तो उनके ढक्कन अच्छी तरह से बंद करके गरम पानी से भरे बाउल में कुछ देर के लिए डाल दें. इससे वे मेल्ट होकर पहले वाले टेक्स्चर में आ जाएंगे.

कूल और ड्राई जगह रखें

कॉस्मेटिक्स और स्किन केयर प्रोडक्ट्स को ठंडी और सूखी जगह पर रखें. सीधे सूर्य के प्रकाश के संपर्क में न आने दें. सूर्य की किरणों से क्रीमी कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स जैसे लिपस्टिक मेल्ट हो सकती है तो टोनर जैसे प्रोडक्ट्स ड्राई हो सकते हैं.

कब समझें प्रोडक्ट खराब हो गया

बदबू- अगर मेकअप प्रोडक्ट से बदबू आ रही है तो इसका मतलब वह खराब हो चुका है.

लुक- अगर कॉस्मेटिक का कलर बदला नजर आ रहा है, उसमें मॉइश्चर आ गया है, वह पैची और ड्राई दिख रहा है तो उसे तुरंत बदल दें.

टच - अगर मेकअप प्रोडक्ट बहुत ज्यादा चिपचिपा लग रहा है या फिर बहुत ज्यादा सूखा, तो उसे फेंकने में देरी न करें.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

07

जयपुर >> रविवार, 28 नवम्बर, 2021

कल्ला को शिक्षा विभाग, महेश जोशी PHED मंत्री

धारीवाल यूडीएच में बने रहेंगे, हेमाराम चौधरी वन मंत्री, परसादी लाल को मेडिकल, सीएम के पास रहेगा गृह मंत्रालय

अशोक गहलोत
वित्त, गृह, कार्मिक, सामान्य प्रशासन, आईटी, DIPR

वी.डी. कल्ला
शिक्षा, आर्ट एंड कल्चर, एएसआई

शांति धारीवाल
स्वायत्त शासन, नगरीय विकास, हाउसिंग, लॉ

परसादीलाल
मेडिकल एंड हेल्थ, एक्साइज, ESI

लालचंद
कृषि, पशुपालन और मत्स्य

प्रमोद जैन भाया
खान एवं पेट्रोलियम व गोपालन

उदय लाल आंजना
सहकारिता

प्रताप सिंह
खाद्य-नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले

सालेह मोहम्मद
अल्पसंख्यक मामला, वक्फ

हेमाराम चौधरी
वन, पर्यावरण

महेंद्रजीत सिंह
जल संसाधन, INGP

महेश जोशी
पीएचईडी, भूजल

रामलाल जाट
राजस्व

रमेश मीणा
पंचायती राज, ग्रामीण विकास

विश्वेंद्र सिंह
पर्यटन विभाग, सिविल एविएशन

ममता भूपेश
महिला-बाल विकास, बाल अधिकारिता

भजनलाल जाटव
पीडब्लूडी

टीकाराम जूली
सामाजिक न्याय व अधिकारिता, जेल

गोविंद राम
आपदा प्रबंधन

शकुंतला रावत
उद्योग, देवस्थान

अर्जुन सिंह बामनिया
टीएडी (स्वतंत्र प्रभार), पीएचईडी, भूजल (राज्य मंत्री)

अशोक चांदना
खेल, रोजगार (स्वतंत्र प्रभार), जनसंपर्क, आपदा प्रबंधन, योजना

भंवर सिंह भाटी
ऊर्जा (स्वतंत्र प्रभार) वाटर रिसोर्सेज, INGP (राज्य मंत्री)

राजेंद्र सिंह यादव
हायर एजुकेशन, योजना (स्वतंत्र प्रभार), गृह (राज्य मंत्री)

सुभाष गर्ग
तकनीकी शिक्षा, आयुर्वेद (स्वतंत्र प्रभार), अल्पसंख्यक मामले

सुखराम विश्नोई
श्रम (स्वतंत्र प्रभार), राजस्व, फैक्ट्री-बॉयलर (राज्य मंत्री)

बृजेंद्र ओला
ट्रांसपोर्ट एंड रोड सेफ्टी (स्वतंत्र प्रभार)

मुरारीलाल मीणा
एग्रीकल्चर मार्केटिंग, एस्टेट (स्वतंत्र प्रभार), टूरिज्म

राजेंद्र सिंह गुढ़ा
सैनिक कल्याण, होम गार्ड (स्वतंत्र प्रभार), पंचायती राज व ग्रामीण विकास (राज्य मंत्री)

जाहिदा खान
साइंस एंड टेक्नोलॉजी (स्वतंत्र प्रभार), स्कूल एजुकेशन, कला-संस्कृति (राज्य मंत्री)

जयपुर। मंत्रिमंडल फेरदबल के बाद मंत्रालय बांट दिए गए। बीडी कल्ला को शिक्षा विभाग दिया गया है, जबकि यूडीएच धारीवाल के पास ही रहेगा। महेश जोशी को पीएचईडी दिया गया है। CM ने गृह मंत्रालय नहीं छोड़ा है। ये उन्हीं के पास रहेगा। सुखराम विश्नोई से वन विभाग लेकर हेमाराम चौधरी को दिया है। परसादी लाल को मेडिकल दिया गया है।

1. **मुख्यमंत्री अशोक गहलोत**
   वित्त एवं टैक्सेशन, गृह एवं न्याय, कार्मिक विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, कैबिनेट सचिवालय, एनआरआई, आईटी एवं कम्युनिकेशन, सूचना एवं जनसंपर्क
2. **बी.डी. कल्ला :** एजुकेशन, संस्कृत शिक्षा, आर्ट एंड कल्चर व एएसआई
3. **शांति धारीवाल :** स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं हाउसिंग, कानून, इलेक्शन
4. **परसादी लाल मीणा :** मेडिकल एंड हेल्थ, एक्साइज, आबकारी
5. **लालचंद कटारिया :** कृषि एवं पशुपालन व मत्स्य
6. **प्रमोद जैन भाया :** खान एवं पेट्रोलियम व गोपालन विभाग
7. **उदय लाल आंजना:** सहकारिता विभाग
8. **प्रताप सिंह खाचरियावास:** खाद्य एवं आपूर्ति विभाग
9. **सालेह मोहम्मद:** अल्पसंख्यक मामलात विभाग
10. **हेमाराम चौधरी:** वन एवं पर्यावरण मंत्री
11. **महेंद्रजीत सिंह मालवीया:** जल संसाधन विभाग
12. **महेश जोशी:** पीएचईडी विभाग
13. **रामलाल जाट:** राजस्व विभाग
14. **रमेश मीणा:** पंचायती राज एवं ग्रामीण विभाग
15. **विश्वेंद्र सिंह:** पर्यटन विभाग
16. **ममता भूपेश:** महिला एवं बाल विकास विभाग
17. **भजनलाल जाटव:** सार्वजनिक निर्माण विभाग
18. **टीकाराम जूली:** सामाजिक सुरक्षा विभाग
19. **गोविंद राम मेघवाल:** आपदा प्रबंधन विभाग
20. **शकुंतला रावत:** उद्योग मंत्री
21. **अर्जुन सिंह बामनिया:** ट्राइबल एरिया डेवलपमेंट (स्वतंत्र प्रभार), पीएचडी, भूजल राज्य मंत्री
22. **अशोक चांदना:** खेल मंत्री, स्किल डेवलपमेंट, रोजगार (स्वतंत्र), जनसंपर्क, आपदा प्रबंधन, योजना राज्य मंत्री
23. **भंवर सिंह भाटी:** ऊर्जा (स्वतंत्र प्रभार) वाटर रिसोर्स, इंदिरा गांधी नहर परियोजना (राज्य मंत्री)
24. **राजेंद्र सिंह यादव:** हायर एजुकेशन, योजना (स्वतंत्र प्रभार) गृह राज्य मंत्री
25. **सुभाष गर्ग:** तकनीकी शिक्षा, आयुर्वेद (स्वतंत्र प्रभार) अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री
26. **सुखराम विश्नोई:** श्रम (स्वतंत्र प्रभार) राजस्व राज्य मंत्री
27. **बृजेंद्र ओला:** ट्रांसपोर्ट एंड रोड सेफ्टी (स्वतंत्र प्रभार)
28. **मुरारीलाल मीणा:** एग्रीकल्चर मार्केटिंग, स्टेट (स्वतंत्र प्रभार), टूरिज्म, सिविल एविएशन (राज्य मंत्री)
29. **राजेंद्र सिंह गुढ़ा:** सैनिक कल्याण, होम गार्ड एंड सिविल डिफेंस (स्वतंत्र प्रभार), पंचायती राज व रूरल डेवलपमेंट (राज्य मंत्री)

राजस्थान में होमगार्ड कॉन्स्टेबल के 135 पदों पर निकली भर्ती

8वीं पास अभ्यर्थी 15 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन, फरवरी में होगी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान गृह विभाग ने कई पदों पर वैकेंसी निकाली है। ये भर्ती होम गार्ड आरक्षी (कॉन्स्टेबल), आरक्षी बिगुलर, आरक्षी ड्रम मैन और आरक्षी वाहन चालक पदों के लिए हैं। जिसके लिए उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। गृह विभाग की सभी भर्ती राजस्थान के अलग-अलग जिलों, यूनिट और बटालियन के लिए होगी। परीक्षा फरवरी 2022 में ऑफलाइन आयोजित होंगी। जिसकी तारीख फिलहाल जारी नहीं की गई है।

कांस्टेबल के पद पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को किसी भी मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से कक्षा 8 उत्तीर्ण होना चाहिए। वहीं कांस्टेबल (ड्राइवर) पद के लिए आवेदन करने वालों के पास ड्राइविंग लाइसेंस के साथ-साथ कम से कम 3 साल का ड्राइविंग अनुभव होना चाहिए।

- **पदों की संख्या :** 135
- **आवेदन शुरू होने की तारीख :** 24 नवंबर 2021
- **आवेदन करने की आखिरी तारीख :** 15 दिसंबर 2021
- **रिटन एग्जाम की तारीख :** फरवरी 2022

वैकेंसी डिटेल्स

- **कांस्टेबल:** 111
- **पद कांस्टेबल ड्राइवर:** 20 पद
- **बिगुलर और ड्रममैन:** 4

सलेक्शन: उम्मीदवारों को सलेक्शन लिखित परीक्षा, फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट, टेक्निकल नॉलेज और स्पेशल एक्सपीरिएंस के आधार पर किया जाएगा। लिखित परीक्षा में 120 अंक होंगे। फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट में 20 अंक होंगे, और स्पेशल एक्सपीरिएंस में 20 अंक शामिल होंगे। लिखित परीक्षा 2 घंटे के लिए आयोजित की जाएगी।

एप्लिकेशन फीस: आवेदन फीस सामान्य और अन्य राज्य के लिए 500 और ओबीसी, EWS, SC, ST उम्मीदवारों के लिए 400 है। आवेदन फीस का भुगतान ऑनलाइन करना होगा।

ऐसे करें आवेदन: कैंडिडेट ऑनलाइन या खुद ही विभाग की वेबसाइट https://home.rajasthan.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। आपको आवेदन करने के लिए किसी सीएचसी सेंटर या ई-मित्र कियोस्क पर जाना होगा। इस भर्ती के लिए योग्यता से जुड़ी जानकारी विभाग की वेबसाइट पर ही देख सकते हैं।

राज्य सूचना आयोग का कड़ा रुख बना आम नागरिकों के अधिकारों का रक्षक

जयपुर, हिलव्यू समाचार। राज्य सूचना आयोग ने आम अवाम को सूचना मुहैया कराने में कोताही बरतने वाले अधिकारियों के प्रति अपना कड़ा रुख बरकरार रखा है। आयोग ने परिवहन, स्थानीय निकाय और ग्रामीण विकास महकमे के चार अधिकारियो पर अलग अलग मामलो में बीस हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। यह राशि उनके वेतन से वसूलने का निर्देश दिया गया है।

आयोग के सम्मुख उदयपुर के सुरेश कुमार ने अपील दाखिल कर शिकायत की कि परिवहन विभाग लम्बे अर्से से उनकी अर्जी की उपेक्षा कर रहा है और सुनवाई नहीं कर रहा है। सुरेश कुमार ने वाहनों पर सामान रखने वाले जंगले के बारे में दिशा निर्देशों की जानकारी मांगी थी। लेकिन विभाग दो साल से खामोशी अख़्तियार किये हुए है। आयोग ने उदयपुर के परिवहन अधिकारी से जवाब तलब किया। लेकिन अधिकारी ने कोई जवाब नहीं दिया। इस पर सूचना आयुक्त नारायण बारेठ ने अधिकारी पर पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। आयोग ने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिया है कि वे नागरिक को संबंधित रिकॉर्ड का निरीक्षण कराएं और उनके द्वारा चिन्हित पचास पेज तक निशुल्क उपलब्ध करवाए।

आयोग ने नागौर जिले में लाडनू नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी पर सूचना कानून के प्रति लापरवाही बरतने के लिए दो अलग अलग मामलो में पांच पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। आयोग के समक्ष प्रवीण कुमार ने पालिका प्रशासन पर सूचना कानून की अवहेलना का आरोप लगाया और कहा उन्हें सूचना मुहैया नहीं करवाई जा रही है। अधिकारी ने न तो इसका जवाब दिया और न ही हाजिर हुए। इस पर सूचना आयुक्त बारेठ ने नाराजगी जाहिर की और पांच हजार रूपये जुर्माने लगाने का निर्देश दिया। ऐसे ही एक और मामले में लाडनू के अदरीश खान ने आयोग में

अपील दाखिल कर कहा कि नगर पालिका प्रशासन सूचना अधिकार के उनके आवेदन पर कोई कार्यवाही नहीं की। आयोग ने इसे गंभीर माना और अधिकारी पर पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। अदरीश खान लाडनू में सड़क निर्माण से जुडी सूचना मांग रहे थे। आयोग ने पालिका से कहा है कि वो आवेदक नागरिक को संबंधित रिकॉर्ड का अवलोकन कराये और जानकारी उपलब्ध कराये।

आयोग ने अपने आदेश की प्रति स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक को भेजने का निर्देश दिया है।

राज्य सूचना आयोग ने चितोड़गढ़ जिले में निम्बाहेड़ा के विकास अधिकारी पर भी पांच हजार रूपये का जुर्माना लगाया है। सूचना आयुक्त बारेठ ने जुर्माने का आदेश तब दिया जब एक स्थानीय व्यक्ति ने शिकायत की कि विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायतो में निर्माण कार्यो के बारे में दाखिल उनके आवेदन को अनदेखा कर दिया और सूचना उपलब्ध कराने से महरूम कर दिया। आयोग ने अधिकारी को अपना पक्ष रखने के लिए मौका भी दिया। मगर अधिकारी ने इस अवसर को खो दिया। इस पर सूचना आयुक्त ने जुर्माना लगाते हुए अपने आदेश की प्रति जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को भेजने का निर्देश दिया है। इन अधिकारियों से जुर्माने की यह राशि उनकी तनख्वाह से काटी जाएगी।

हमारे मंत्रियों ने की है इतनी पढ़ाई-लिखाई

12वीं पास मीणा हेल्थ, PhD कल्ला देखेंगे शिक्षा

107 करोड़ की संपत्ति के साथ आंजना सबसे अमीर, शंकुतला रावत सबसे गरीब

अशोक गहलोत	परसादी लाल	लालचंद कटारिया	प्रमोद जैन भाया
पोस्ट ग्रेजुएट	12वीं पास	12वीं पास	12वीं पास
गृह, वित्त, कार्मिक, ब्यूरोक्रेसी, आईटी, पब्लिसिटी	मेडिकल एंड हेल्थ, एक्साइज	कृषि, पशुपालन व मत्स्य	खान, पेट्रोलियम, गोपालन विभाग
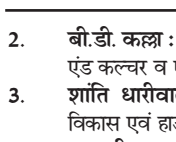 उदय लाल आंजना	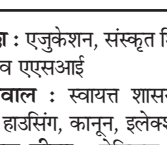 शाले मोहम्मद	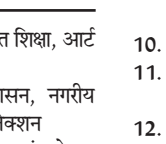 प्रताप सिंह खाचरियावास	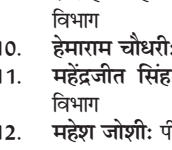 महेंद्रजीत सिंह मालवीया
12वीं पास	12वीं पास	ग्रेजुएट	ग्रेजुएट
सहकारिता विभाग	अल्पसंख्यक कल्याण	खाद्य विभाग	जल संसाधन विभाग
भजनलाल जाटव	टीकाराम जूली	रामलाल जाट	गोविंद राम मेघवाल
10वीं पास	एलएलबी	12वीं पास	पोस्ट ग्रेजुएट
सार्वजनिक निर्माण विभाग, पीडब्ल्यूडी	सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग	राजस्व विभाग	आपदा प्रबंधन विभाग

मुरारीलाल मीणा	बृजेंद्र ओला	राजेन्द्र सिंह गुढ़ा	सुखराम विश्नोई
सिविल इंजीनियर	एलएलबी	12वीं पास	एलएलबी
कृषि मार्केटिंग, एस्टेट और पर्यटन, नागरिक उड्डयन	परिवहन और सड़क सुरक्षा	सैनिक कल्याण, होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा	श्रम विभाग
विश्वेंद्र सिंह	हेमाराम चौधरी	जाहिदा खान	अर्जुन सिंह वामनिया
पीयूसी पास	एलएलबी	एलएलबी	12वीं पास
पर्यटन	वन, पर्यावरण विभाग	विज्ञान और टेक्नोलॉजी	ट्राइबल एरिया डेवलपमेंट
रमेश मीणा	अशोक चांदना	भंवर सिंह भाटी	राजेंद्र सिंह यादव
ग्रेजुएट	पोस्ट ग्रेजुएट	ग्रेजुएट	ग्रेजुएट
पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभाग	खेल, स्किल डेवलपमेंट, रोजगार	ऊर्जा	हायर एजुकेशन

मंत्रिमंडल में सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे मंत्री

बीडी कल्ला
शिक्षा मंत्री
(पीएचडी)

महेश जोशी
PHED
(पीएचडी)

सुभाष गर्ग
तकनीकी शिक्षा
(पीएचडी)

पढ़ी-लिखी हैं तीनों महिला मंत्री

महिला बाल विकास मंत्री **ममता भूपेश** ने MBA किया है।

साइंस टेक्नोलॉजी मंत्री **जाहिदा खान** ने दिल्ली से वकालत की पढ़ाई की है।

उद्योग मंत्री **शकुंतला रावत** ने एमए की डिग्री हासिल कर रखी है।

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने अपनी तीसरी वर्षगांठ से पहले एक बार फिर मंत्रिमंडल में फेरबदल किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए 11 कैबिनेट और चार राज्य मंत्री बनाए हैं। इनमें से 7 मंत्री ऐसे हैं, जो सिर्फ 12वीं क्लास तक पढ़े-लिखे हैं। जबकि स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा सिर्फ दसवीं पास है। वहीं तीन मंत्री बीडी कल्ला, सुभाष गर्ग व महेश जोशी ने पीएचडी कर रखी है। 6 मंत्री ग्रेजुएट हैं। राजस्थान की चिकित्सा विभाग की जिम्मेदारी 12वीं पास परसादी लाल मीणा संभालेंगे। वहीं 12वीं पास रामलाल जाट अगले 2 साल तक राजस्थान में मंत्री बन राजस्व इकट्ठा करने का काम करेंगे।

दसवीं पास पीडब्ल्यूडी मंत्री: 12वीं पास राजेंद्र गुढ़ा सैनिक कल्याण बोर्ड, होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा मंत्री बन सरकार का कामकाज देखेंगे। इसके साथ ही दसवीं पास भजन लाल जाटव सार्वजनिक निर्माण विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं 12वीं पास प्रमोद जैन भाया कान पेट्रोलियम और गोपालन विभाग के मुखिया के पद पर कामकाज देखेंगे।

विश्ववेंद्र दूसरे नंबर के अमीर मंत्री: राजस्थान में हुए मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद निंबाहेड़ा विधायक उदयलाल आंजना प्रदेश के सबसे अमीर मंत्री बन चुके हैं। विश्वेंद्र सरकार के दूसरे सबसे अमीर मंत्री के तौर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। उनके पास करीब 100 करोड़ की संपत्ति है। वहीं बसपा से कांग्रेस में आए राजेंद्र गुढ़ा के पास 10 लाख रुपए की जमा पूंजी है।

राजस्थान में बढ़ी केंद्र में घटी मंत्रिमंडल की औसत आयु: राजस्थान में मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद अशोक गहलोत सरकार के मंत्रिमंडल की औसत आयु में 3.8 साल की बढ़ोतरी हुई है। मंत्रिमंडल औसत आयु के हिसाब से 60.8 साल का है। वहीं कुछ महीनों पहले केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद औसत आयु घटी थी। पहले केंद्र के मंत्रिमंडल की औसत आयु 61 साल थी, जो विस्तार के बाद घटकर 58 साल हो गई है।

उदयलाल आंजना के पास 107 करोड़ की संपत्ति

निंबाहेड़ा विधायक उदयलाल आंजना प्रदेश के सबसे अमीर मंत्री हैं। इनकी कुल संपत्ति 107 करोड़ रुपए है।

सबसे कम संपत्ति उद्योग मंत्री शकुंतला रावत के पास है। इनके पास 8 लाख रुपए की ही संपत्ति है।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

08

जयपुर >> रविवार, 28 नवम्बर, 2021

एक नज़र

वोकल घुंघरू आर्टिस्ट शंकर गर्ग का रियलिटी शो में चयन

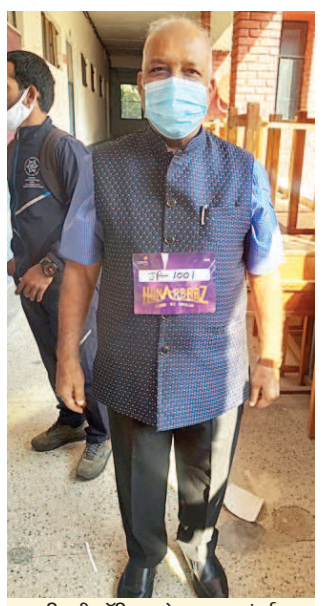

दिल्ली ऑडिशन के पश्चात् मुंबई के लिए सीधे चयन की झलक।

जयपुर, हिलव्यू समाचार। वोकल घुंघरू आर्टिस्ट शंकर गर्ग शहर में अपनी वोकल कला से जाने जाते हैं। रियलिटी शो 'हुनरबाज़ देश की शान' के लिए उनका चयन हुआ है। दिल्ली में दिये गये ऑडिशन में शंकर गर्ग ने मुँह से घुंघरू की विभिन्न प्रकार की ध्वनियाँ निकालकर अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें ज्यूरी पैनल ने सीधे शो के लिए उन्हें फाइनल किया है। आगामी रियल्टी शो के ज्यूरी पैनल में जाने माने अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती, परिणीति चौपड़ा व फिल्म डायरेक्टर एवं प्रोडयूसर करन जौहर भी उपस्थित रहेंगे। गर्ग पिछले बीस सालों से इस कला का प्रदर्शन कर रहे हैं एवं प्रसिद्ध रियलिटी कार्यक्रमों में विनर भी रह चुके हैं।

कुशलगढ़ के पोटलिया में प्रशासन गांवों के संग अभियान शिविर

जनजाति क्षेत्रों का प्राथमिकता से हो रहा विकास : मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार जनजाति क्षेत्रों के विकास के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है। टीएसपी क्षेत्र की जरूरतों तथा विकास से जुड़े मुद्दों को सरकार प्राथमिकता से पूरा करेगी। गहलोत शुक्रवार को बांसवाड़ा जिले की कुशलगढ़ पंचायत समिति के पोटलिया ग्राम पंचायत मुख्यालय पर प्रशासन गांवों के संग अभियान शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिविर में सभी 22 विभागों द्वारा स्थापित काउन्टरों पर संचालित गतिविधियों का निरीक्षण किया और वहाँ किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अच्छे कार्यों के लिए संबंधित अधिकारियों की पीठ भी थपथपायी।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से इन शिविरों का पूरा लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि वे शिक्षा पर जोर दें।

गहलोत ने बड़ी संख्या में उपस्थित

ग्रामीण स्त्री-पुरुषों को देखकर प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि इनसे हमें जनहित में दोगुने जोश एवं उत्साह से कार्य करने की ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना महामारी की पहली एवं दूसरी लहर के दौरान बेहतर प्रबन्धन किया। जिसकी हर तरफ सराहना हुई है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे सतर्क रहें, क्योंकियह महामारी अभी गई नहीं है। इसके संक्रमण के फैलने की आशंका अभी भी बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान क्षेत्र की तीन ग्रामीण सम्पर्क सड़कों पर सेतु निर्माण की आधारशिला रखी। उन्होंने सम्पर्क सड़क पोटलिया पर 975 लाख रुपए की लागत से बनने वाले पुल, मुवाल से महूड़ा फला-पाड़ला सम्पर्क सड़क पर 700 लाख रुपए की लागत से बनने वाले पुल तथा सम्पर्क सड़क चनावाला पर 351 लाख रुपए से निर्मित होने वाले पुल का शिलान्यास किया। शिक्षा राज्यमंत्री गोविन्दसिंह डोटासरा ने प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र में विकास एवं विस्तार की दिशा में किए जा रहे कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शैक्षिक विकास के बहुआयामी प्रयासों के साथ ही शिक्षकों के रिक्त पदों को भरा जा रहा है। विभिन्न विभागों में एक लाख पदों पर भर्तियां की गई हैं और करीब 70 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

इससे पहले कुशलगढ़ विधायक रमिला खड़िया ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और क्षेत्र की समस्याओं तथा विकास की जरूरतों के बारे में उनका ध्यान आकर्षित किया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशलगढ़ क्षेत्र के विकास के लिए सभी संभव प्रयास किए जाएंगे।

इस अवसर पर परिवहन मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, प्रभारी मंत्री राजेन्द्रसिंह यादव, जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्यमंत्री श्री अर्जुनसिंह बामनिया, बागीदौरा विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री महेन्द्रजीत सिंह मालविया, पूर्व सांसद ताराचन्द भगोरा, समाजसेवी दिनेश खोड़निया, पूर्व विधायक श्रीमती कांता भील एवं श्री रमेश पण्ड्या, जिला कलक्टर श्री अंकित कुमार सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक श्री राजेश मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर नरेश बुनकर सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, अधिकारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण स्त्री-पुरुष उपस्थित थे।

जयपुर की लेखिकाओं का गाज़ियाबाद में हुआ सम्मान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आज़ादी अमृत महोत्सव को समर्पित 29 वें अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन का आयोजन गत रविवार को भागीरथ पब्लिक स्कूल सभागार, गाज़ियाबाद में डॉ गिरीश्वर मिश्र (पूर्व कुलपति) की अध्यक्षता में प्रतिष्ठित संस्था राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास व राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के द्वारा आयोजित किया गया। उक्त समारोह में देश के जाने माने साहित्यकारों प्रो.लल्लन प्रसाद, डॉ योगेन्द्रनाथ शर्मा 'अरुण', डॉ महेश दिवाकर ,डॉ मृणाल शर्मा आगरा ने शिकरत की। उनकी गरिमामय उपस्थिति में राजस्थान लेखिका साहित्य संस्थान, जयपुर की वरिष्ठ साहित्यकारा करुणाश्री श्रीवास्तव को निराला स्मृति सम्मान, ज्ञानवती सक्सैना 'ज्ञान' को महादेवी वर्मा स्मृति सम्मान, मनोरमा माथुर को सुभद्रा कुमारी स्मृति सम्मान प्रदान किया गया।

करुणाश्री श्रीवास्तव 'निराला स्मृति सम्मान' लेते हुए।

ज्ञानवती सक्सेना 'महादेवी वर्मा स्मृति सम्मान' लेते हुए।

मनोरमा माथुर 'सुभद्रा कुमारी स्मृति सम्मान' लेते हुए।

सेबी के विरोध में सहारा कार्यकर्ताओं एवं सम्मानित निवेशकों का धरना

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। सहारा कार्यकर्ता एवं हमारे सम्मानित निवेशकर्ता मानसरोवर में शिप्रा पथ ग्राउण्ड में एकत्रित होकर सेबी के विरोध में धरने पर बैठे। हम सभी कार्यकर्ता एवं सम्मानित जमाकर्ता सहारा से किसी न किसी योजनाओं के माध्यम से जुड़े हुए हैं और विगत 25-30 वर्षों से सहारा इण्डिया से आय प्राप्त करते रहे हैं, परन्तु विगत 08 वर्ष पूर्व में हुए सहारा-सेबी विवाद के कारण माननीय उच्चतम् न्यायालय द्वारा पूरे सहारा समूह पर लगाये गये एम्बार्गो की वजह से सहारा में भुगतान की विलम्ब की स्थिति उत्पन्न हो गयी है, जिसकी वजह से हम लोगों की आय पर काफी असर पड़ा है, यहां तक की हमारे निवेशक चूंकि उनका भुगतान विलम्बित है अतएव वे नया व्यवसाय नहीं देते हैं, जिससे हमारी आय लगभग नगण्य हो चली है, जिसके कारण हम लाखों कार्यकर्ता बेरोज़गारी एवं भूखमरी की कगार पर खड़े हुए हैं।

सेबी के द्वारा विगत 08 वर्षों में लगभग 150 अख़बारों स्थानीय एवं राष्ट्रीय अख़बारों में 04 बार विज्ञापन देकर भी मात्र ब्याज सहित कुल 125 करोड़ रूपये का ही भुगतान कराया गया। यह तथ्य सेबी के द्वारा इस वर्ष के शुरूआत में माननीय उच्चतम् न्यायालय में दाखिल अपने स्टेटस रिपोर्ट में यह जिक्र किया गया है। सेबी के विज्ञापन जो कि दिनांक 26.03.2018 को प्रकाशित की गयी थी के प्रतिक्रिया में सेबी को 19,598 निवेशकों के भुगतान कराने हेतु आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनके साथ वास्तविक प्रपत्र भी लगे हुए थे। सेबी द्वारा प्राप्त आवेदन के सापेक्ष 16,633 आवेदनों का भुगतान किया गया था, जिसके माध्यम से ब्याज सहित धनराशि 125 करोड रुपये का भुगतान किया गया। यह अपने आप में ही दर्शाता है कि सेबी के पास अपने जमाधन की मांग करने वाले सारे निवेशक नहीं गये और जाते भी कैसे जबकि निवेशकों के द्वारा अपना पूर्ण भुगतान पहले ही प्राप्त कर लिया गया है।

लेकिन सेबी की हठधर्मिता के कारण हम लाखों कार्यकर्ताओं का जीवन अंधकार की ओर जा रहा है। अब जब सेबी के पास वर्तमान में किसी निवेशक का भुगतान लम्बित नहीं है तो सेबी माननीय उच्चतम् न्यायालय में यह हलफ़नामा दे दे कि अब उनसे भुगतान प्राप्त करने वाले जमाकर्ता/निवेशक नहीं हैं, तो सम्भवतः माननीय उच्चतम् न्यायालय सहारा समूह की कम्पनियों से एम्बार्गो हटा ले और सहारा-सेबी एकाउण्ट में ब्याज सहित जमा लगभग 24000 करोड़ रूपये की धनराशि सहारा को वापस मिल जाए तो हम सभी पूर्व की भांति अपने सम्मानित निवेशक एवं जमाकर्ताओं का भुगतान नियमित कर लें। इसीलिए हम सेबी को ज्ञापन दे रहे हैं कि सेबी सुप्रीम कोर्ट में अपना हलफ़नामा दे, जिससे हम सभी कार्यकर्ताओं को न्याय मिल सके।

कोरोना के बाद अब दमा के मरीज बढ़े

राजस्थान में हवा दूषित से लंग्स डैमेज का खतरा अस्थमा के मरीज कोहरे में मॉर्निंग वॉक से बचें

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में दीपावली के बाद अचानक से सर्दी बढ़ गई है। साथ ही, इसका असर एयर क्वालिटी पर पड़ने लगा है। बिगड़ी एयर क्वालिटी ने अस्थमा और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से ग्रसित मरीजों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हवा में प्रदूषण के साथ-साथ धूल व अन्य कणों के कारण इन बीमारी से ग्रसित मरीजों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। इसी का असर दिखा कि जयपुर में रोगियों की संख्या में करीब 20 फीसदी इजाफा हुआ है।

एसएमएस हॉस्पिटल के पूर्व अधीक्षक डॉ. वीरेन्द्र सिंह की मानें तो सामान्य दिनों की तुलना में पिछले कुछ दिनों से उनके पास अस्थमा और सीओपीडी से जुड़े रूटीन मरीजों की संख्या में 15 से लेकर 20 फीसदी का इजाफा हुआ है। कुछ नए मरीज भी आए हैं, जिन्हें पहले कभी अस्थमा की शिकायत नहीं थी। पिछले दिनों जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा जैसे बड़े शहर जहां पिछले दिनों एक्यूआई लेवल 300 के पार पहुंच गया था, उस समय पीएम लेवल 2.5 पर दर्ज किया गया था।

पीएम लेवल 2.5 करता है लंग्स को डैमेज

डॉ. सिंह की मानें तो गर्मियों की तुलना में सर्दियों में हवा में प्रदूषण का लेवल ज्यादा रहता है। इसके पीछे कारण ओस और नमी है। उन्होंने बताया कि एयर क्वालिटी इंडेक्स के अलावा पर्टिक्यूलेट मैटर (पीएम) ज्यादा होने पर यह मरीजों व सामान्य लोगों के लिए घातक है। जयपुर समेत तमाम शहरों में वर्तमान में पीएम लेवल 2.5 माइक्रोन है, जो लंग्स को डैमेज करता है।

पीएम लेवल जितना कम उतना खतरनाक: हवा में पीएम का लेवल जितना कम होगा, वह स्वास्थ्य के लिए उतना ही खतरनाक होता है। 10 माइक्रोन लेवल पर धुल के कण नाक तक ही सीमित रह जाते हैं। इससे छोटे यानी 2.5 पीएम पर धुल के कण नाक, मुंह के जरिए सांस की नली से फेफड़ों (लंग्स) तक पहुंच जाते हैं, जिससे लंग्स की वर्किंग कैपेसिटी इफेक्ट होती है। इसके बाद सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। कई बार सांस नली में नाक से फेफड़े के बीच सूजन के कारण ऑक्सीजन की सप्लाई घट जाती है।

.1 लेवल का पीएम स्तर: विशेषज्ञों की मानें तो अगर किसी शहर के वातावरण में पीएम लेवल .1 पर है, तो वह सबसे ज्यादा खतरनाक है। इस लेवल पर धुल के कण सांस के जरिए लंग्स से होते हुए सीधे ब्लड में जाते हैं, जो ब्रेन और हार्ट के लिए खतरनाक है। इससे हार्ट फेलियर के अलावा ब्रेन में न्यूरो संबंधी बीमारियां होती हैं।

सर्दियों में कोहरे और ओस के समय मॉर्निंग वॉक से बचें: विशेषज्ञों की मानें तो वैसे तो अस्थमा रोगियों के लिए सुबह-शाम वॉक करना बहुत अच्छा रहता है। सर्दियों के मौसम में सुबह-सुबह ओस या कोहरे के समय मॉर्निंग वॉक करना ठीक नहीं है। ओस या कोहरे में धुल के कण और पॉल्यूशन हवा में ऊपर न जाकर नीचे ही ओस के कारण रुक जाता है। वॉक के दौरान लोगों के लिए यह घातक साबित हो सकता है।

जयपुर संगीत महोत्सव में शास्त्रीय संगीत की तीनों विधाओं की मची धूम

जयपुर। हिलव्यू समाचार। जयपुर संगीत महाविद्यालय द्वारा आयोजित जयपुर संगीत महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह मे शास्त्रीय संगीत की तीनों विधाओं का असरदार प्रदर्शन किया गया। सचिव राम शर्मा द्वारा कार्यक्रम के अतिथियों एवं श्रोतागणों का अभिवादन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि बालमुकुंद आचार्य महाराज हाथोज धाम ने विद्यार्थियों को गुरु शिष्य परंपरा के बारे में समझाते हुए त्याग और समर्पण की भावना को भी जागृत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शिल्पी शर्मा द्वारा तुलसीदास कृत गणेश वंदना गाइए गणपति जगवंदन के असरदार प्रदर्शन से श्रोताओं का मन मोह लिया और श्रोताओं की तालियों से सभागार गूंज उठा। इसके पश्चात महाविद्यालय विद्यार्थियों जिनमें अशोक कुमार, नीतू ,अभिषेक ,अमित, सुनीता, राहुल ,अनुज, प्रदीप और खुमान पाटोदिया ने राग भूपाली का गायन प्रस्तुत कर आलाप तान का अनूठा प्रदर्शन किया। कथक नृत्य गुरु श्रीमती रानू शर्मा के निर्देशन में विद्यार्थियों ने जिनमें आराध्या शर्मा, पल जैन, वैदेही शर्मा, अग्रिमा खांडल और अंकिता ने तीन ताल में टुकड़े, परन, कवित, लयकारी एवं फुटवर्क का रोमांचित प्रदर्शन किया। बनारस घराने के गुरु ऋषभ पटेल के शिष्यों जिनमें वेदांत शर्मा, देवांश राज, हार्दिक और जुबिन द्वारा बनारस घराने की प्रचलित बंदिशे बांट कायदे रेले एवं टुकड़े की थाप ने तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार को गुंजायमान बना दिया । कार्यक्रम में मंच संचालन सुनीता राठौड़ द्वारा की गई एवं तबले पर संगत उस्ताद सलामत खान , सारंगी पर मनोहर लाल टाक, पखावज पर छवि जोशी एवं हारमोनियम पर श्री राम शर्मा द्वारा की गई। इसी के साथ प्रतिभा सम्मान इकबाल ख़ान, संतोष शर्मा एवं राखी जैन को दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**